● वर्ष : 17 ● अंक : 234 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

WWW.LKSTV.IN

दिल्ली से प्रकाशित | रविवार 14 जून 2026 | लोकतंत्र का स्तंभ

युवा शक्ति भारत के भविष्य को नई दिशा दे रही खेलों में भी बढ़ा रही देश का गौरव : प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर युवाओं के योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि भारत के युवा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं तथा देश और दुनिया के भविष्य को आकार देने वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। युवाओं की उपलब्धियां विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि भारतीय युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखना अत्यंत हर्ष का विषय है। देश के युवा नवाचार और तकनीक आधारित क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने खेल जगत में युवाओं के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा खिलाड़ियों ने अनेक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी उपलब्धियों ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में खेलों के लिए बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र, आधुनिक बुनियादी ढांचे और खिलाड़ियों को बढ़ते सहयोग के कारण युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इससे अधिक से अधिक युवा खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति आने वाले वर्षों में देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पीएम मोदी 6 दिन की फ्रांस-स्लोवाकिया की यात्रा पर रवाना, जी7 शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाक गणराज्य की छह दिवसीय महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा शनिवार से शुरू हो गई है।उनकी यह यात्रा 18 जून को पूरी होगी। अपनी रवानगी से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा के मुख्य उद्देश्यों और कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए एक्स पर लिखा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और स्लोवाक गणराज्य के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के निमंत्रण पर इस यात्रा पर जा रहे हैं। अपनी यात्रा के पहले चरण में वे फ्रांस के नीस शहर पहुंचेंगे। फ्रांस की इस यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भारत के रणनीतिक विज़न में फ्रांस का खास स्थान है। इस साल की शुरुआत में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान हमारे संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिला था। अब हम फरवरी के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि 14 जून को वह और राष्ट्रपति मैक्रों संयुक्त रूप से 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। 'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' के तहत होने वाला यह आयोजन भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों से जोड़ेगा। नीस के बाद प्रधानमंत्री 14-15 जून को स्लोवाक गणराज्य की राजधानी ब्रातिस्लावा के लिए रवाना होंगे। वर्ष 1993 में स्लोवाकिया के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद से किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली स्लोवाकिया यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी वहां के राष्ट्रपति पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके बाद वह स्लोवाकिया के प्रमुख 'बिजनेस लीडर्स' के साथ बैठक करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की गति को बढ़ाना और यूरोपीय संघ के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। स्लोवाकिया से प्रधानमंत्री मोदी सीधे एवियन (फ्रांस) पहुंचेंगे, जहां वे 16 और 17 जून को आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि जी7 में भारत की मौजूदगी न केवल देश की बढ़ती वैश्विक पहचान को दर्शाती है बल्कि भारत यहां 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील और गरीब देशों) की आकांक्षाओं और मुद्दों को भी प्रमुखता से आवाज देगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि वह अपनी इस यात्रा का समापन 18 जून को पेरिस में करेंगे। पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ यूरोप के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी और इनोवेशन शो 'वीवा टेक 2026' में शामिल होंगे। इस साल इस शो में अब तक का सबसे बड़ा 'भारतीय नेशनल पवेलियन' बनाया गया है। इसके अलावा, पेरिस में वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह लगातार 8वां मौका है जब भारत को जी7 शिखर सम्मेलन में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

घर के कामकाज और जिम्मेदारी को संभालेंगे रोबोट

तकनीकी अब घर-घर में पहुंचने की तैयारी में है। दुनिया में इस समय एआई का बोलवाला है। सारी दुनिया के देशों में एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट बनाए जा रहे हैं। हर देश में यह रोबोट अपने-अपने तरीके से परंपरागत रूप से काम करने की तकनीकी सीख रहे हैं। इन्हें इंसानों के बीच में किस तरह से किस देश में काम होते हैं उसकी जानकारी देकर रोबोट को इस बात के लिए तैयार कर रहे हैं कि वह समाज की जरूरत पर पूरी तरह से कारगर हो। भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं उन्हें कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए तैयार किया जा रहा है।

कारखाने में जिस तरह से मजदूर काम करते हैं उन्हीं कामों को अब रोबोट से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज में चरणबद्ध तरीके से रोबोट अपना काम कर सकें इसके लिए उन्हें रोटी बनाना, सब्जी बनाना, यहां तक कि किस सब्जी में कितने मसाले का उपयोग करना है, घर के कामकाज में कपड़े धोने से लेकर बेडशीट बिछाकर घर की साफ सफाई करना, साइकिल चलाना, सड़क पार करना, कपड़ों पर प्रेस करना और पौधों को पानी देने के साथ ही साथ पौधों का रखरखाव करने जैसे काम करने वाले रोबोट तैयार किया जा रहे हैं। इसके लिए लगातार प्रयास शुरू हो गए हैं। इसे देखते हुए संभावना व्यक्त की जा रही है कि साल-दो-साल में भारत के प्रमुख शहरों में कामकाजी रोबोट के शोरुम खुल जाएंगे।

रोबोटिक में इमिटेशन लर्निंग के सटीक कार्यों की जानकारी के लिए जो कुशल मजदूर हैं और ग्रहणी के रूप में जो महिलाएं काम कर रही हैं वह अपने वीडियो तैयार करके कंपनियों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे उन्हें कमाई भी हो रही है और रोबोट तैयार करने वाले इंजीनियरों को रोबोट और सॉफ्टवेयर तैयार करने में मदद मिल रही है। इस कार्य को करने के लिए जो वीडियो बनाकर कमाई शुरू हुई है उसमें कामगार को अपने काम को व्यवस्थित रूप से करने और बारीकी से उसे समझाने में मदद मिल रही है। इसी तरह से घरेलू काम के लिए घरेलू महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली कामगार की सहायता ली जा रही है। रील और वीडियो के माध्यम से यह एक नया रोजगार बन रहा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ प्रचलित होता चला जा रहा है। घरेलू कामगारों के लिए कम से कम 30 मिनट का वीडियो तैयार करना होता है, इस वीडियो का उपयोग जो भी कंपनी करती है, वो उसका भुगतान भी करती है। इसी तरह से मजदूर जो भवन निर्माण एवं अन्य कामों में लगे हुए हैं वह अपने-अपने काम और अनुभव के आधार पर वीडियो तैयार कर रहे हैं, इससे उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी कमाई हो रही है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-ईरान बातचीत से जल्द मिलेगी कामयाबी, टकराव से बढ़ रही मुश्किलें

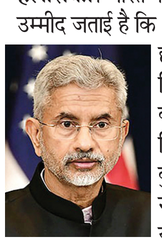

हेलसिंकी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका-ईरान बातचीत से जल्द ही कामयाबी मिलेगी। उन्होंने कहा कि लगातार टकराव मुश्किलें खड़ी कर रहा है और दुनिया का ज्यादातर हिस्सा निराशा है। हेलसिंकी में कुलटारेंटा वार्ता में अपनी फिनिश समकक्ष एलिना वाल्टोनन और यूएई की साहयक विदेश मंत्री लाना नुसेबेह के साथ उभरती ताकतें और नए भू-राजनीतिक मुकाबले पर एक पैनल चर्चा में जयशंकर ने कहा कि भारत समेत कई देश बढ़ते संघर्ष के बीच तनाव कम करने में मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब पूछा गया कि क्या भारत सिर्फ एक तरह के फ्रस्ट्रेटेड ऑब्जर्वर की भूमिका में फंसा है या स्थिति को संभालने में मदद के लिए और कुछ कर सकता है? इस पर जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि इस समय दुनिया का ज्यादातर हिस्सा एक फ्रस्ट्रेटेड ऑब्जर्वर की स्थिति में फंसा है, लेकिन बहुत सारे देश इस स्थिति में वह करने की कोशिश कर रहे हैं जो वे कर सकते हैं। इसलिए यह कोशिश न करने की वजह से नहीं है। मैं सिर्फ हमारे बारे में बात कर रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि निश्चित रूप से ऐसे बहुत सारे देश नहीं हैं जिनके सभी शामिल पार्टियों के साथ अच्छे संबंध होंगे। हमें बहुत उम्मीद है कि अमेरिका-ईरान बातचीत से जल्दी नतीजा निकलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर ने पश्चिम एशिया में स्थिति की जटिलता पर जोर देते हुए कहा कि भारत के इस क्षेत्र के सभी प्रमुख स्टेकहोल्डर्स, जिनमें अमेरिका, इजराइल, ईरान और खाड़ी देश शामिल हैं के साथ मजबूत संबंध हैं।

एनटीए ने परीक्षा अधिकारियों के लिए 'परीक्षा कर्मयोगी' प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने अपनी परीक्षाओं के संचालन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और मानकीकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से 'परीक्षा कर्मयोगीः परीक्षा अधिकारियों के लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रम' नामक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के आईजीओटी कर्मयोगी भारत मंच पर उपलब्ध कराया गया है। एनटीए द्वारा शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रशिक्षण विशेष रूप से परीक्षा केंद्र अधीक्षकों और निरीक्षकों (इनविजिलेटर्स) सहित उन अधिकारियों के लिए तैयार किया गया है, जो एनटीए की विभिन्न परीक्षाओं, विशेषकर नीट (यूजी), के संचालन में शामिल रहते हैं। इस कार्यक्रम को परीक्षा से जुड़े अधिकारियों की क्षमता को मजबूत करने और ऑफ़लाइन, पेन-और-पेपर आधारित परीक्षाओं को सुचारू, सुरक्षित और स्टैंडर्ड तरीके से आयोजित करने के लिए बनाया गया है। कार्यक्रम में परीक्षा प्रक्रिया के पूरे चक्र को शामिल करते हुए चार मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। पहले मॉड्यूल में निष्पक्षता, पारदर्शिता और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने में परीक्षा कर्मियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। दूसरे मॉड्यूल में परीक्षा पूर्व तैयारियों, परीक्षा केंद्रों की तत्परता, सुरक्षा व्यवस्था और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के पालन से जुड़े पहलुओं को शामिल किया गया है। तीसरे मॉड्यूल में परीक्षा दिवस की गतिविधियों को चार चरणों—परीक्षा शुरू होने से पहले, परीक्षा प्रारंभ होने के समय, परीक्षा के दौरान और परीक्षा समाप्ति के बाद—के आधार पर समझाया गया है।

अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों के अध्ययन का दिया निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के अध्ययन के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया है। उच्च स्तरीय समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में अमित शाह ने समिति को स्थिति का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने गत माह देश में असामान्य जनसंख्यिकी बदलाव और अवैध घुसपैठ के अध्ययन के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को इस समिति के गठन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन कर सरकार को नीतिगत सुझाव देना है।

आपके कंधों पर सजे विंग्स, एक बैज नहीं, यह करोड़ों भारतीयों के भरोसे का प्रतीक हैं: रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी। हैदराबाद

रक्षामंत्री ने उड़ान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर विंग्स से किया सम्मानित

हैदराबाद में एयरफोर्स एकेडमी में संयुक्त ग्रेजुएशन परेड में भारतीय नौसेना के नौ अधिकारियों, भारतीय तट रक्षक के तीन अधिकारियों और सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के दो प्रशिक्षुओं को उड़ान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर विंग्स से सम्मानित किया गया। नेविगेशन प्रशिक्षण पूरा करने पर तीन अधिकारियों को ब्रेवेट्स दिए गए। कैडेट्स को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आपको इनोवेशन करना है, एग्जीक्यूट करना है और इन सब में सफलता भी हासिल करना है। आपके लिए दुनिया में चल रहे हर युद्ध में एक नया शिक्षण विद्यालय होना चाहिए। आपको कड़ी मेहनत के साथ स्मार्ट काम और प्रतिभा की उतनी ही जरूरत होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपके कंधों पर सजे विंग्स, केवल एक बैज भर नहीं हैं, यह करोड़ों भारतीयों के भरोसे का प्रतीक हैं। इसलिए आपको अपनी पूरी सर्विस में प्रोफेसनिल्जम और आचरण के ऐसे उच्च मानक को लगातार बनाए रखना होगा, जो दूसरों के लिए प्रेरणा बनें। सिंह ने कहा कि आज, भारतीय वायु सेना अकादमी की संयुक्त स्नातक परेड में आप सभी के बीच आकर मुझे गौरव की भावना हो रही है। सबसे पहले, मैं आप सभी को, प्रशिक्षण के लिए चुनौती पूरी करने पर बधाई देता हूं। आज जब आपके कैडेट जीवन की यात्रा समाप्त हो रही है, तो मुझे लगता है, आपको संतुष्टि और उत्साह का एक मिलाप-जुला भाव महसूस हो रहा है, लेकिन याद रखें, आपकी यात्रा अभी शुरू ही हुई है। आप एक ऐसी सर्विस का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने देश की हर कॉल पर अपना बेहतर दिया है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में भी, हमने यही भावना देखी है। रक्षा मंत्री ने कैडेट्स से कहा कि मेरा विश्वास है कि आपके प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अभ्यासों में आपको अनिश्चितता और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से तैयार किया गया है। एक पेशेवर सैनिक के रूप में यह आपका कर्तव्य है कि आप उभरती चुनौतियों के प्रति सदैव सजग रहें और जरुरत के मुताबिक अपनी प्रतिक्रिया को फिर अंशांकित करते रहें। सिंह ने कहा कि नई पीढ़ी के आप सभी योद्धाओं से मैं कहना चाहूंगा कि आप आने वाले समय में युद्ध प्रणालियों और रणनीतियों को भी भली-भांति समझें। भारतीय एयर फोर्स लाखों-करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा सोर्स है।

रूसी सेना का दावा, पिछले 24 घंटों में यूक्रेन के 1100 से ज्यादा सैनिक मारे गए

मॉस्को। रूस ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में पांच रूसी सैन्य टुकड़ियों के साथ मोर्चों में यूक्रेन के लगभग 1125 सैनिक मारे गये हैं और इसके अलावा भारी मात्रा में सैन्य साजो सामान का नुकसान हुआ है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, "रूस की वोस्तोक (पूर्व) सैन्य टुकड़ी के साथ लड़ाई में यूक्रेनी सेना ने 510 से ज़्यादा सैनिक, तीन बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, आठ गाड़ियां और अमेरिका में बना 155 मिमी का पैलाडिन सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी सिस्टम खो दिया है। मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा, पिछले एक दिन में सेंत्र (मध्य) सैन्य टुकड़ी ने 315 से ज़्यादा, सेवर (उत्तर) सैन्य टुकड़ी ने 235 से ज़्यादा, ज़ापाद (पश्चिम) सैन्य टुकड़ी ने 220 से ज़्यादा, युगा (दक्षिण) सैन्य टुकड़ी ने 115 तक और निपर सैन्य टुकड़ी ने करीब 45 यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया है। इसके अलावा, इन सैन्य मोर्चों पर साजो-सामान का भी काफी नुकसान हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन के लंबी दूरी के ड्रोन भंडारगृह, यूक्रेनी सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ऊर्जा एवं यातायात के बुनियादी ढांचों और 142 इलाकों में यूक्रेनी सेना की टुकड़ियों एवं विदेशी भाड़े के सैनिकों के अस्थायी ठिकानों पर भी हमले किए।

तृणमूल विधायक मदन मित्र के घर ईडी की छापेमारी

नगर निकाय भर्ती अनियमितता मामले में कई ठिकानों पर कार्रवाई

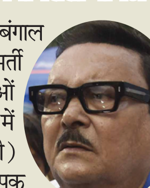

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नगर निकायों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार सुबह से व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। केंद्रीय एजेंसी की टीमों ने कोलकाता और उसके आसपास के छह से सात स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इसी क्रम में कामरहाटी से तृणमूल कांग्रेस विधायक मदन मित्र के आवासों पर भी तलाशी ली गई। सूत्रों के अनुसार, ईडी की एक टीम भवानीपुर और कालीघाट स्थित मदन मित्र के आवासों पर पहुंची। शनिवार सुबह से दोनों स्थानों पर तलाशी अभियान जारी रहा। हालांकि, छापेमारी के समय मदन मित्र किस आवास पर मौजूद थे, इसकी स्पष्ट जानकारी तत्काल नहीं मिल सकी। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय एजेंसी नगर निकायों में भर्ती से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच कर रही है। इसी कड़ी में कामरहाटी नगरपालिका में नियुक्तियों से संबंधित कुछ मामलों की पड़ताल के लिए ईडी अधिकारियों ने मदन मित्र के आवास पर दस्तक दी। इसके अलावा एजेंसी की एक अन्य टीम बेहाला क्षेत्र में भी जांच के लिए पहुंची।

अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास पर सुबह 3 बजे शुरू हुई पुलिस छापेमारी पांच घंटे बाद पूरी हुई

एजेंसी। कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर शनिवार तड़के पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया। राज्य पुलिस और कोलकाता पुलिस के बड़ी संख्या में अधिकारी तथा जवान सुबह लगभग 3 बजे के बाद उनके आवास पर पहुंचे। लंबे समय तक दरवाजा खटखटाने के बाद पुलिस ने कथित तौर पर ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और कई घंटों तक तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, तलाशी अभियान के दौरान केंद्रीय बल के जवान भी आवास के बाहर तैनात रहे। घटना की जानकारी मिलने पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कालीघाट स्थित आवास पर पहुंचीं। सुबह लगभग 8 बजे पुलिस टीम के बाहर निकलने के बाद मुख्यमंत्री भी वहां से रवाना हो गईं। तलाशी अभियान समाप्त होने के बाद अभिषेक बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुलिस ने ताला तोड़कर पूरे घर की तलाशी ली है और पूरी कार्रवाई का रिकॉर्ड उपलब्ध है। हालांकि, पुलिस किस मामले की जांच के सिलसिले में उनके आवास पर पहुंची थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि शालबनी थाना क्षेत्र की पुलिस इस कार्रवाई में शामिल थी और टीम में महिला अधिकारी भी मौजूद थीं।

डीआरडीओ दुश्मन के मिसाइल खतरों से निटपने किया डिफेंस प्रणाली और रुद्रम-2 का परीक्षण

एजेंसी। नई दिल्ली

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने दुश्मन के अलग-अलग तरह के खतरों के खिलाफ देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने वाली तकनीकों का प्रदर्शन किया है। लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों और मध्यम दूरी पर एंटी-शिप क्षमता के खिलाफ मल्टी-लेयर्ड डिफेंस का प्रदर्शन करने के लिए 10 और 11 जून को तीन फ्लाइट टेस्ट किए गए। मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) क्षमता का प्रदर्शन किया गया। इंटरसेप्टर्स ने अपने-अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक भेदा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन सिस्टम्स को मिसाइल से जुड़े नए खतरों का सामना करने के लिए आधुनिक तकनीकों से डिजाइन और विकसित किया गया है। इन परीक्षणों ने देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है, जिनके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने की क्षमता वाली बीएमडी प्रणाली मौजूद है। नेवल एंटी-शिप मिसाइल-मीडियम रेंज का पहला फ्लाइट टेस्ट सफलतापूर्वक किया। इन फ्लाइट टेस्ट को डीआरडीओ और रक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने देखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इन अहम तकनीकों का सफल प्रदर्शन करने पर डीआरडीओ को बधाई दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के चेयरमैन राजेश कुमार सिंह ने इन परीक्षणों पर बारीकी से नजर रखी और डीआरडीओ और इंडस्ट्री की कोशिशों की तारीफ की। इसके पहले डीआरडीओ और आईएएफ ने वायु से सतह पर मार करने वाली अत्याधुनिक रुद्रम-2 मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया था। यह परीक्षण हवाई प्लेटफॉर्म से किया गया, जिसने मिसाइल की सटीकता, विश्वसनीयता और उन्नत तकनीकी क्षमताओं को सफलतापूर्वक साबित कर दिया। डीआरडीओ ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि रुद्रम-2 मिसाइल का परीक्षण बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और महत्वपूर्ण प्रक्षेप पथ के तहत किया गया। इन परीक्षणों में मिसाइल की सभी प्रमुख उपप्रणालियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और निर्धारित मानकों पर पूरी तरह खरी उतरीं।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे देश के अगले सेनाध्यक्ष, 30 को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को देश का अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया है। अभी वे आर्मी स्टाफ़ के वाइस चीफ़ हैं। वह 30 जून को दोपहर से मौजूदा सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर कार्यभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में आर्म्ड कॉर्प्स में कमीशन हुए थे। लगभग चार दशकों के शानदार मिलिट्री करियर में उन्हें ऑपरेशनल, स्ट्रैटेजिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव मिला है, जिससे भारतीय सेना की युद्धक क्षमता में बदलाव हुआ है। उन्होंने अलग-अलग ऑपरेशनल माहौल में हर स्तर पर कमान संभाली है। उनकी कमान की जिम्मेदारियों में रेगिस्तानी इलाके में एक आर्म्ड रेजिमेंट, पश्चिमी थिएटर में एक आर्म्ड ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद-विरोधी फोर्स की कमान शामिल है। लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर उन्होंने भारतीय सेना के प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक सुदर्शन चक्र कॉर्प्स की कमान संभाली।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मैगी में संक्रमण के आरोप गलत, जांच में सही पाए गए सभी उत्पादः नेस्ले इंडिया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। नेस्ले इंडिया ने मैगी नूडल्स में कीड़ों की मौजूदगी को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी ने कहा कि प्रयोगशाला परीक्षणों में सभी उत्पाद गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरे पाए गए हैं।रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजारों को दिए गए स्पष्टीकरण में कहा कि सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक असत्यापित खाते द्वारा उठाई गई चिंता के बाद उसे यह शिकायत भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से मिली।नेस्ले इंडिया ने 12 जून को छपी एक खबर के बारे में एनएसई और बीएसई के सवालों के जवाब में यह सफाई दी है। कंपनी ने कहा, "हम मीडिया में चल रहे उन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं जो मैगी नूडल्स में कीड़े होने के बारे में एक बिना पुष्टि वाले दावे पर आधारित हैं।"कंपनी ने कहा कि स्वतंत्र लैब टेस्ट और बैच एवं मार्केट सैंपल की क्वालिटी जांच से पुष्टि हुई है कि ये प्रोडक्ट सभी फूड सेफ्टी और क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं।कंपनी ने बताया कि उसे जांच के लिए शिकायतकर्ता से अभी तक कोई सैंपल नहीं मिला है और उस व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिशें नाकाम रहीं क्योंकि सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंचा नहीं जा सका। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर मैगी नूडल्स में कीड़े-मकोड़े होने के शिकायत के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने नेस्ले इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी अभियान 17 जून से, राहुल गांधी करेंगे छात्र सम्मेलनों को संबोधित

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। पार्टी के अनुसार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 17 जून से देश के विभिन्न शहरों में छात्र सम्मेलनों की श्रृंखला शुरू करेंगे, जिसमें छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, शिक्षकों और युवा संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि \अभियान के पहले चरण के तहत राहुल गांधी 17 जून को कोटा, 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में छात्र सम्मेलनों को संबोधित करेंगे।

नगरपालिका भर्ती घोटाले में टीएमसी विधायक मदन मित्रा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक और पूर्व मंत्री मदन मित्रा से जुड़े सात परिसरों पर छापेमारी की है। जांच एजेंसी के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के बदले रिश्वत लेने के आरोपों की जांच की जा रही है।ईडी ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि मदन मित्रा ने विभिन्न नगरपालिकाओं, विशेष रूप से कमरहाटी नगरपालिका में अयोग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति कराने के बदले बिचौलियों के माध्यम से नकद और सोने के रूप में रिश्वत प्राप्त की थी। जांच एजेंसी ने कहा कि मदन मित्रा का संबंध ऐसी 125 से अधिक कथित अवैध नियुक्तियों से जुड़ा पाया गया है। इन नियुक्तियों में पात्रता मानकों की अनदेखी कर उम्मीदवारों को नौकरी दिलाने के आरोप हैं। ईडी ने बताया कि मामले में धन शोधन और कथित भर्ती अनियमितताओं के विभिन्न पहलुओं की जांच जारी है। छापेमारी के दौरान प्राप्त दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना है।

उमर खालिद और शरजील इमाम की नई जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपितों- उमर खालिद और शरजील इमाम की नई जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। ड्यूटी जज डॉ सुमेध कुमार सेठी ने मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई को करने का आदेश दिया।उमर खालिद और शरजील इमाम ने नई जमानत याचिकाओं में कहा है कि उच्चतम न्यायालय के जमानत याचिका खारिज करने के आदेश के छह महीने बीतने के बावजूद ट्रायल में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। यहां तक कि आरोप तय करने पर अभी दलीलें भी पूरी नहीं हुई हैं।पांच जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था। पांच जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने जिन पांच आरोपितों को जमानत दी थी उनमें गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहम और मोहम्मद सलीम खान शामिल हैं। उसके बाद उच्चतम न्यायालय ने 22 मई को आरोपितों- खालिद सैफी और तसलीम अहमद को छह महीने की अंतरिम जमानत दी। इस मामले के चार आरोपितों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। जिन आरोपितों को पहले जमानत मिल चुकी है उनमें सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तान्हा, देवांगन कलीता और नताशा नरवाल शामिल हैं। इस मामले में 18 आरोपितों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि निरोधक अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में जिन लोगों को आरोपित बनाया गया है उनमें सफूरा जरगर, ताहिर हुसैन, उमर खालिद, खालिद सैफी, इशरत जहां, मीरान हैदर, गुलफिशा, शफा उर रहमान, आसिफ इकबाल तान्हा, शादाब अहमद, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहम्मद सलीम खान, अतहर खान, शरजील इमाम, फैजान खान, नताशा नरवाल और देवांगन कलीता शामिल हैं।

टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने भूपेन्द्र यादव से मुलाकात की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में मची भगदड़ के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। उनके साथ सांसद शताब्दी रॉय भी मौजूद थीं। हालांकि इस मुलाकात की आधिकारिक जानकारी अभी नहीं दी गयी है। सूत्रों ने बताया कि टीएमसी के सभी 19 बागी सांसदों की रविवार को बैठक होगी, जिसमें पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में सुदीप बंदोपाध्याय भी मौजूद रहेंगे।इससे पहले भूपेंद्र यादव के आवास पर टीएमसी के 19 बागी सांसदों की बैठक हुई थी और अब सुदीप बंदोपाध्याय के भूपेंद्र यादव से मुलाकात के बाद यह माना जा रहा है कि वह भी इन बागी सांसदों में शामिल हो सकते हैं। भूपेंद्र यादव पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के प्रभारी थे।सुदीप बंदोपाध्याय कोलकाता उत्तर लोकसभा क्षेत्र से लगातार छठवीं बार के सांसद हैं। क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को टीएमसी के बागी सांसदों के दस्तखत वाली चिट्ठी सामने आई थी, जिसमें 19 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। इन सांसदों की सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात हो सकती है। उसके बाद टीएमसी को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है।इस चिट्ठी में काकोली घोष, यूसुफ पठान, सायोनी घोष, प्रसून बंदोपाध्याय, जगदीश बर्मा बसुनिया, माला रॉय, रचना बनर्जी, मिताली बैग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, पार्थ भौमिक, खलीलुर्रहमान, अरुप चकवर्ती, बापी हलदर, डॉ. शर्मिला सरकार, असित कुमार, अबू ताहिर खान और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम हैं।इससे पहले तीन जून को टीएमसी के 80 में से 58 विधायकों ने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अलग गुट के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग की थी, जिसे अध्यक्ष ने मंजूर भी कर लिया था।

दिल्ली-एनसीआर में अगले 24 घंटे में तेज हवा के साथ बारिश होने के आसार

लोकतंत्र की शान

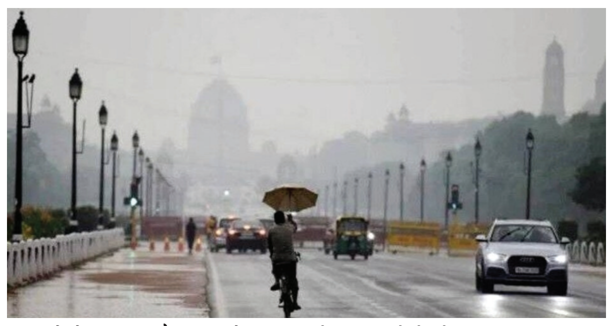

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुसार अगले 24 घंटे के दौरान दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा और गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं, जबकि पूर्वोत्तर तथा दक्षिण के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के अनुसार राजधानी में 14 जून को दोपहर और शाम के दौरान तेज हवा और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दिन यहां 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी आने का अनुमान है, जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। 15 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वहीं, 16 जून को तेज हवा और गरज के साथ दोपहर से शाम के बीच वर्षा होने के आसार हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39-41 डिग्री सेल्सियस और 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 15-16 जून, असम और मेघालय में 14-16 जून, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 14-15 जून, केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ क्षेत्रों में 14 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में 17-19 जून, असम और मेघालय के कुछ क्षेत्रों में 17-19 जून तक बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं।पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। अगले दो दिनों के दौरान मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है। अगले 2-3 दिनों के दौरान कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों, ओडिशा के कुछ हिस्सों और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। उत्तर पश्चिम भारत के जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 14-19 जून तक हल्की वर्षा होने और कुछ क्षेत्र तेज रफ्तार से हवाएं चलने के आसार हैं। मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों में भी यही स्थिति रह सकती है। वहीं, पूर्वी भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत में 14-19 के दौरान भारी तथा व्यापक वर्षा होने की संभावना है। गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में 14-16 जून के बीच छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। वहीं कुछ क्षेत्रों में तेज गति से हवाएं चलने का अनुमान है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर भारत में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने के आसार हैं। पश्चिम भारत के गुजरात क्षेत्र, कोंकण,गोवा, मध्य महाराष्ट्र तथा मराठवाड़ा और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में 13 जून और 16-19 जून के दौरान तेज हवा के झोंको और गरज के साथ छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

राजनाथ सिंह और प्रियंका गांधी ने विमान दुर्घटना में शहीद पांच कर्मियों को दी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सहित अन्य नेताओं ने शनिवार को असम के जोरहाट स्थित रौरिया एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसेना (आईएएफ) के एक एएन-32 परिवहन विमान दुर्घटना में शहीद पांच कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।राजनाथ सिंह ने एक्स पर कहा, "असम के जोरहाट में एएन-32 हादसे में पांच एयर वॉरियर्स के निधन से गहरा दुख हुआ है। स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने अपनी ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व तथा कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं! दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है।''केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि हमारे 5 वीर वायु योद्धाओं ने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि असम में भारतीय वायु सेना के विमान हादसे में पांच बहादुरों के दुखद निधन से गहरा दुख हुआ है।प्रियंका गांधी ने कहा कि असम में वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह से पांच बहादुर जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। देश, हमारे वीर जवानों और उनके परिवारों के प्रति सदैव ऋणी रहेगा।

शॉपर्स स्टॉप ने भारत के पहले ग्लोबल गर्ल ग्रुप ऑडिशन को बढ़ावा देने के लिए हाइब इंडिया के साथ मिलकर 'गेट स्पॉटलाइट रेडी' पेश किया

लोकतंत्र की शान

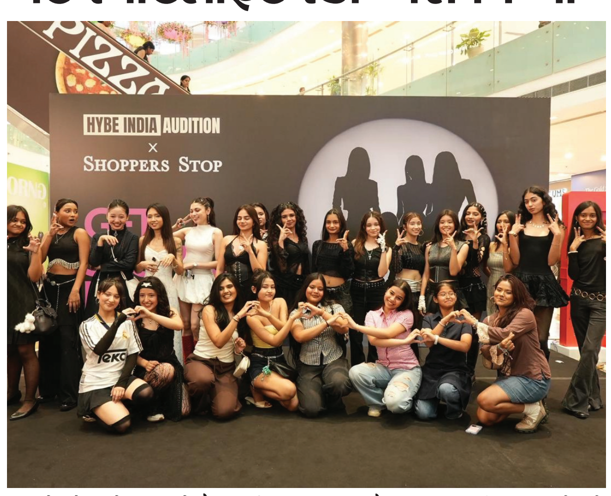

दिल्लीः भारत के प्रमुख प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और गिफ्टिंग डेस्टिनेशन, शॉपर्स स्टॉप ने हाइब इंडिया (HYBE INDIA) के साथ साझेदारी की है। इसके तहत दिल्ली के वसंत कुंज स्थित एंबिएंस मॉल में ऑडिशन से प्रेरित एक शानदार इन-स्टोर अनुभव 'गेट स्पॉटलाइट रेडी' शुरू किया गया है। यह साझेदारी देश के पहले ग्लोबल गर्ल ग्रुप ऑडिशन के लिए भारत की अगली पीढ़ी के कलाकारों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो युवा भारतीय प्रतिभाओं को एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। नई पीढ़ी के लिए तैयार किया गया यह अभियान एक बड़े सांस्कृतिक बदलाव को दर्शाता है, जहाँ जेन ज़ी और जेन अल्फ़ा अब सिर्फ दर्शक नहीं रह गए हैं, बल्कि दुनिया का सामना करने के लिए तैयार महत्वाकांक्षी युवा हैं। 5 जून से 12 जून तक चलने वाली यह पहल ब्यूटी, स्टाइल और ग्लोबल पॉप कल्चर को एक साथ लाएगी, जिससे ग्राहकों को विशेष रूप से तैयार की गई बेहद आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से स्पॉटलाइट के लिए तैयार होने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव हाइब इंडिया के ग्लोबल गर्ल ग्रुप ऑडिशन को लेकर चारों ओर बढ़ते रोमांच को और बढ़ाता है। ऑनलाइन ऑडिशन 31 मार्च से 31 जुलाई तक https://india.hybeaudition.com/en पर चल रहे हैं, जो भारत की उभरती हुई युवा और महत्वाकांक्षी प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहे हैं। इसे बेंगलुरु में 14 जून को होने वाले ऑन-ग्राउंड ऑडिशन और 13 व 14 जून को हाइब इंडिया पॉप-अप पार्क के ज़रिए और आगे बढ़ाया जाएगा। यह लोगों को इंटरैक्टिव अनुभव देने के साथ-साथ कंपनी के विश्व स्तरीय ट्रेनिंग और प्रोडक्शन इकोसिस्टम में शामिल होने का अवसर भी प्रदान करेगा।

कंगना रनौत स्टारर 'भारत भाग्य विधाता' के मेकर्स ने देशभर में टिकटों पर Buy 1 Get 1 ऑफर का ऐलान किया

लोकतंत्र की शान

कंगना रनौत स्टारर 'भारत भाग्य विधाता' को 12 जून को रिलीज़ होने के बाद से पूरे देश में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने फिल्म की सराहना की है। दिल्ली और राजस्थान सहित कई राज्यों में इस फिल्म को टैक्स फ्री भी घोषित किया गया है।<अब फिल्म के मेकर्स ने देशभर के सभी सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए नया Buy 1 Get 1 ऑफर पेश किया है। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए दर्शकों को BookMyShow पर 'Bharat' कोड का इस्तेमाल करना होगा। यह ऑफर खासतौर पर फैमिली ऑडियंस के लिए एक बेहतरीन मौका है। चार बार नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें भारतीय सिनेमा की 'क्वीन' क्यों कहा जाता है। कंगना रनौत के अलावा, 'भारत भाग्य विधाता' में एक दमदार स्टारकास्ट शामिल है, जिसमें गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता ठट्टे, रसिका आघाशे, आदित्य मिश्रा और ज़ाहिद खान जैसे कलाकार शामिल हैं। ये सभी ऐसे किरदार निभा रहे हैं जो समाज की अदृश्य रीढ़ को दर्शाते हैं। फिल्म को डॉ. जयंतीलाल गडा (PEN स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इसका निर्माण PEN स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स और परमहंस क्रिएशंस ने किया है, जबकि यूनोइया फिल्म्स LLP और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड इसके सहयोगी प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का वितरण Pen Marudhar द्वारा किया गया है।

मिथिला समाज को रंगकर्मियों का उत्साहवर्धन करना जरूरीः प्रो. उदय नारायण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कवि एवं भाषाविद प्रो. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' ने शनिवार को कहा कि मिथिला समाज को रंगकर्मियों का उत्साहवर्धन करना जरूरी है। साथ ही, नाटकों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए समाज स्तर पर पुरस्कार और सम्मान की परंपरा शुरू होनी चाहिए। प्रो. उदय नारायण ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में साहित्य अकादमी और मैथिली लोक रंग (मैलोरंग) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'मैथिली रंगमंच आंदोलन' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद के दौरान यह बात कही। इस संगोष्ठी में देश-विदेश के प्रमुख नाटककारों, भाषाविदों तथा रंगकर्मियों ने मैथिली रंगमंच के इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर विचार विमर्श किया। मुख्य वक्ता के रूप में नारायण ने कहा, " स्वतंत्र भारत में मैथिली रंगमंच आंदोलन की एक गौरवशाली और सतत परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि मैथिली में 'गोरक्ष विजय' और 'धूर्तसमागम' जैसे क्लासिक मौलिक नाटक पहले से मौजूद रहे हैं। अन्य भाषाओं की तरह मैथिली में भी आधुनिक रंगकर्म की शुरुआत अनुवादों से हुई लेकिन बाद में आंदोलन को गति देने के लिए बड़े पैमाने पर मौलिक नाटकों का लेखन हुआ।"वरिष्ठ रंगकर्मी प्रदीप बिहारी ने कहा कि विभिन्न आंदोलनों से गुजरते हुए आज मैथिली रंगमंच का परिदृश्य काफी समृद्ध हुआ है। अब मिथिला के शहरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक नाटक खेले जा रहे हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि मिथिला समाज को आगे आकर रंगकर्मियों को प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिनय और रंगकर्म से जुड़े लोगों को बढ़ावा देने के लिए विशेष पुरस्कारों और सम्मान की व्यवस्था की जानी चाहिए।परिसंवाद के पहले सत्र में मैथिली रंगमंच के भौगोलिक और ऐतिहासिक विस्तार पर चर्चा हुई। नमोनारायण मिश्र ने कोलकाता में मैथिली रंगमंच को जीवित रखने और आगे बढ़ाने में वहां की संस्थाओं व रंगकर्मियों के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। किसलय कृष्ण ने मिथिला और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में मैथिली रंगमंच की गतिविधियों पर एक विस्तृत शोधपूर्ण आलेख प्रस्तुत किया।पटना के रंग आंदोलन पर बात करते हुए वरिष्ठ अभिनेत्री प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' ने कहा कि शुरुआत में रंगकर्म में महिलाओं का अभाव था लेकिन सामाजिक जागृति के कारण आज बड़ी संख्या में महिला अभिनेत्रियां और निर्देशिकाएं मैथिली रंगमंच को नई ऊंचाई दे रही हैं।परिसंवाद का दूसरा सत्र मैथिली रंगमंच पर वैश्विक प्रभाव और उसकी सामाजिक प्रासंगिकता पर केंद्रित रहा। युवा लेखक अरुणाभ सौरभ ने अपने शोध पत्र में मैथिली रंगमंच आंदोलन पर वैश्विक रंगमंच के प्रभाव और विभिन्न आधुनिक नाट्य शैलियों के प्रयोग पर प्रकाश डाला।संजीव सिन्हा ने दिल्ली में हो रहे मैथिली रंगकर्म का दर्शकों के नजरिए से विश्लेषण किया और बताया कि कैसे इन नाटकों का आम लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. देवशंकर नवीन ने कहा कि साहित्य और रंगमंच कभी भी केवल मनोरंजन का साधन नहीं रहे बल्कि इनका मूल उद्देश्य समाज सुधार रहा है। मैथिली रंगमंच ने मिथिला की संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है। इस परिसंवाद में दिल्ली तथा बाहर से आए मैथिली के कई लेखक, कवि, आलोचक और रंगप्रेमी उपस्थित रहे।

डीयू के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग में विदेशी भाषा प्रोग्राम सहित कई प्रमुख प्रोफेशनल कोर्सों में दाखिले शुरू

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग (सीओएल) के तहत स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), डिपार्टमेंट ऑफ डिस्टेंस एंड कंटिन्यूइंग एजुकेशन (डीडीसीई) और ओपन लर्निंग डेवलपमेंट सेंटर (ओएलडीसी) ने आठ विदेशी भाषाओं में एक साल के सर्टिफिकेट कोर्स और एक साल के डिप्लोमा कोर्स के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा कर दी है। सीओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ये प्रोग्राम जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इटैलियन, पुर्तगाली, चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ जर्मनिक एंड रोमांस स्टडीज और डिपार्टमेंट ऑफ ईस्ट एशियन स्टडीज के सहयोग से पेश किए जा रहे हैं। बेहतर भाषा शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए ओएलडीसी जल्द ही इन प्रोग्राम को ऑनलाइन मोड में भी शुरू करेगा, जिससे देश भर के विद्यार्थी इनमें शामिल हो सकेंगे।उन्होंने कहा कि अपने अंतरराष्ट्रीय भाषा प्रोग्राम के पोर्टफोलियो को और मजबूत करते हुए, ओएलडीसी दिल्ली विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ स्लावोनिक एंड फिनो-उग्रियन स्टडीज के सहयोग से रूसी भाषा में भी एक साल के सर्टिफिकेट और एक साल के डिप्लोमा कोर्स शुरू करने जा रहा है। रूसी भाषा का प्रोग्राम क्लासरूम और ऑनलाइन, दोनों मोड में पेश किया जाएगा।प्रो. पायल मागो ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) और डिपार्टमेंट ऑफ डिस्टेंस एंड कंटिन्यूइंग एजुकेशन (डीडीसीई) द्वारा पेश किए जाने वाले प्रमुख प्रोग्रामों के लिए दाखिले 17 जून से शुरू होंगे। उन्होंने प्रमुख प्रोग्राम की जानकारी देते हुए बताया कि मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड डिजिटल मीडिया लीडरशिप (पीजीडीएडीएलएम) है। प्रो. पायल मागो ने कहा कि इन प्रोग्राम का मकसद फ्लेक्सिबल लर्निंग के जरिए बेहतर उच्च शिक्षा, प्रोफेशनल डेवलपमेंट और करियर में आगे बढ़ने के मौके देना है। उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार योग्यता के नियमों, एडमिशन की प्रक्रिया, फीस स्ट्रक्चर और जरूरी तारीखों के बारे में पूरी जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के ऑफिशियल एडमिशन पोर्टल पर जा सकते हैं।

कृषि जैव विविधता विशेषज्ञ समिति का पुनर्गठन, डॉ. पी. एल. गौतम बने अध्यक्ष

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने कृषि जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ सलाह देने के लिए कृषि जैव विविधता विशेषज्ञ समिति का एक वर्ष के लिए पुनर्गठन किया है।पर्यावरण मंत्रालय ने शनिवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि समिति के अध्यक्ष के रूप में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ पी एल गौतम को नियुक्त किया गया है। डॉ. गौतम पूर्व में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण और पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पीपीवीएफआरए के वर्तमान अध्यक्ष समिति के सह-अध्यक्ष होंगे।एनबीए के अनुसार, वर्ष 2005 से कार्यरत यह समिति कृषि आनुवंशिक संसाधनों, बीजों के निर्यात, लाभ-साझाकरण (एबीएस), पारंपरिक पौध प्रजनन और जैविक संसाधनों से जुड़े अनुसंधान सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सुझाव देती रही है। समिति की सिफारिशों ने जैव विविधता संरक्षण और कृषि अनुसंधान के बीच संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाई है। पुनर्गठित समिति में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, नेशनल इनोवेशन फ़ाउंडेशन और नलसार विधि विश्वविद्यालय सहित कई प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञ और वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहींः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान : आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पिछले दिनों कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी। जैसे ही यह मेरे संज्ञान में आया, मैंने तत्काल पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं होनी चाहिए। हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कार में पले-बढ़े हैं, जहां कहा जाता है कि गांव की बेटी-बहन, सबकी बेटी-बहन। अखिलेश यादव दूसरों को उपदेश देते हैं, वह अपने चेलों-चपाटों को भी उपदेश दें कि भाषा संयमित कर लें। उनके लोग बहन-बेटियों, बुजुर्गों, दिवंगत लोगों व वरिष्ठ नेताओं के प्रति कैसी टिप्पणी करते हैं, उन्हें अपने लोगों को संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा कि उन्हें समझाएं, नहीं समझा सकते तो हमारे हवाले कर दें, हम समझा देंगे। सीएम योगी शनिवार को आजमगढ़ में 955 करोड़ से अधिक लागत की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों की मांग पर सीएम ने घोषणा की कि महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में उनकी भव्य अश्वारोही प्रतिमा लगेगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को पुरानी जेल को कन्वेंशन सेंटर के रूप में तैयार करने के लिए कार्ययोजना बनाने का भी निर्देश दिया।

आज होगा ऑनलाइन योग कार्यक्रम

लोकतंत्र की शान : देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के सफल आयोजन के क्रम में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 14 जून 2026 (रविवार) को प्रातः 6:15 बजे से 7:30 बजे तक ऑनलाइन योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।उन्होंने बताया कि जनपद देवरिया से अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं, विभागों तथा आमजन से कार्यक्रम में प्रतिभाग करने की अपील की गई है।कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों को अपने व्हाट्सएप नंबर से टोल फ्री नंबर 18003157008 पर मिस्ड कॉल देना होगा। पंजीकरण के उपरांत प्रतिभागियों को अपने फोटो एवं वीडियो kavach.upayush.in पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 14 जून को प्रतिभागियों के व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा जाएगा, जिस पर क्लिक कर वे ऑनलाइन योग कार्यक्रम से जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

दलित युवक की गैर इरादतन हत्या का आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : फिरोजाबाद। थाना लाइनपार पुलिस टीम ने शनिवार को दलित युवक की गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई कर उसे जेल भेजा है।<थाना लाइनपार क्षेत्र अन्तर्गत 08 जून की रात्रि 10 बजे के लगभग युवक रूपकिशोर ने घर के बाहर लगे बोरिंग में पानी जाने के लिये मोहल्ले के ही विवेक और विकास पुत्रगण राजकुमार निवासी आजाद नगर गली नं0-07 थाना लाइनपार जनपद फिरोजाबाद से पानी के पाइप को दूसरी साइड करने को कहा था। इसी बात पर दोनों लोगों ने रुपकिशोर से गाली-गलौज व जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसके साथ मारपीट की। घायल रुपकिशोर की उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। मृतक की भाभी ने थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस अभियुक्तों की तलाश कर रही थी। थानाध्यक्ष लाइनपार रमित कुमार आर्य पुलिस टीम के साथ शनिवार को क्षेत्र में गश्त पर थे तभी उन्होंने सूचना पर वांछित अभियुक्त विवेक पुत्र राजकुमार निवासी आजादनगर गली न0 07 थाना लाइनपार को आरपीएफ बैरिक के सामने रेलवे स्टेशन फिरोजाबाद के पास गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

विंध्य कॉरिडोर से निखरा विंध्यधाम आस्था और अर्थव्यवस्था को मिली नई उड़ान : उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

लोकतंत्र की शान : मीरजापुर। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शनिवार देर शाम विंध्याचल पहुंचकर मां विंध्यवासिनी के दरबार में मत्था टेका। उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने विंध्य कॉरिडोर का अवलोकन किया और यहां हुए विकास कार्यों की सराहना की। उपमुख्यमंत्री पुरानी वीआईपी गेट संख्या-1 से मंदिर परिसर पहुंचे और तीर्थ पुरोहितों के मार्गदर्शन में मां विंध्यवासिनी का चरण पूजन किया। इसके बाद उन्होंने पक्का घाट पहुंचकर मां गंगा का दर्शन भी किया। दर्शन-पूजन की प्रक्रिया तीर्थ पुरोहित धीरज मिश्रा ने संपन्न कराई। पत्रकारों से बातचीत में राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि पुरुषोत्तम मास में मां गंगा और मां विंध्यवासिनी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि विंध्यधाम में हुए विकास कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बधाई दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब किसी धार्मिक स्थल का विकास होता है तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे क्षेत्र के विकास पर पड़ता है।

गो-संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही मध्य प्रदेश सरकार–गौ संरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गौशालाओं के लिए प्रति गाय मिलने वाली सहायता राशि बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि रीवा में 10 हजार गोवंश की क्षमता वाला गौ वन विहार विकसित किया गया है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे कृषि लागत कम होगी और गोवंश संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को आगरा में महाराणा प्रताप की मूर्ति का करेंगे अनावरण

लोकतंत्र की शान : आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में जिला पंचायत की ओर से लगाई गई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद वे एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर बाद करीब 2:30 बजे आगरा के एयर फोर्स स्टेशन पहुंचेंगे। वहां से सुरक्षा के बीच उनका काफिला सीधे आगरा के थाना क्षेत्र शमशाबाद अंतर्गत ग्राम सिकतरा, सलोनी ऑयल मिल के सामने पहुंचेगा। यहां रक्षा मंत्री जिला पंचायत द्वारा स्थापित कराई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इस अवसर पर जनपद के सभी जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे। प्रतिमा के अनावरण के बाद रक्षा मंत्री सांय करीब 4 बजे ए.पी. इंटर कॉलेज शमशाबाद के मैदान में एक किसान, जवान, महिला स्वाभिमान रैली/जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष और स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ पदाधिकारी जनसभा की सफलता के लिए की जी-जान से जुटे हुए हैं।

चौकी पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने का आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कुरारा थाना क्षेत्र के उमराहट गांव दिसंबर माह में दो पक्षों के विवाद में चौकी पुलिस के ऊपर जानलेवा हमला करने के आरोप में शनिवार को वांछित आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। अपर पुलिस अधीक्षक एके वर्मा ने शनिवार को बताया कि कुरारा क्षेत्र के उमराहट गांव में 2 दिसंबर 2025 को शाम दो पक्षों में विवाद होने पर चौकी हरौलीपुर की पुलिस टीम मौके पर गई थी। इस दौरान वहां मौजूद भीड़ ने पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला किया था।

पुलिस ने चोरी की बाइक समेत युवक को दबोचा, कुछ ही दिनों में किया खुलासा

» सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना से आरोपी तक पहुंची पुलिस, चोरी की सुपर स्प्लेंडर बरामद

लोकतंत्र की शान, खिजर अहमद

नजीबाबाद। थाना नजीबाबाद पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक युवक को चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, 7 जून 2026 को मोहल्ला सन्तोमालन निवासी नजीब पुत्र शरीफ अहमद ने अपनी मोटरसाइकिल संख्या UP20AJ4269 चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें मोहल्ला हवेलीतला निवासी आयन उर्फ पुन्नी पुत्र इमरान संदिग्ध के रूप में सामने आया। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि 7 जून की रात करीब 11:30 बजे उसने गली में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी की थी। आरोपी ने बताया कि मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिसका फायदा उठाकर वह बाइक लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अवधेश शर्मा, कांस्टेबल विनीत कुमार, कांस्टेबल हर्ष यादव एवं कांस्टेबल प्रियंक तोमर शामिल रहे।

नजीबाबाद में बढ़ती चोरी की घटनाओं से लोगों में चिंता–नजीबाबाद क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। मोटरसाइकिल चोरी, घरों और दुकानों में चोरी की घटनाओं ने आम लोगों और व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि पुलिस कई मामलों का खुलासा कर रही है, लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं के कारण लोगों में असुरक्षा की भावना बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजारों, मोहल्लों और मुख्य मार्गों पर रात्रि गश्त बढ़ाने के साथ-साथ संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी और सीसीटीवी व्यवस्था को और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। वहीं पुलिस का कहना है कि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

नवाचार व अनुसंधान को राष्ट्र निर्माण से जोड़ें युवा वैज्ञानिकः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और तकनीकी विशेषज्ञों से नवाचार व अनुसंधान को राष्ट्र निर्माण तथा जनकल्याण से जोड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भारत के पास विज्ञान, कृषि, चिकित्सा, उद्यम, आयुर्वेद और पारंपरिक ज्ञान के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। शनिवार को विज्ञान भारती के सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि कोई भी अनुसंधान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य आर्थिक उन्नयन, लोककल्याण और भारत को शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करना होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि विज्ञान भारती का सातवां राष्ट्रीय अधिवेशन ज्ञान की पावन धरा काशी में आयोजित हो रहा है, जिसमें 1300 से अधिक प्रतिनिधि पंजीकरण करा चुके हैं। काशी

हिंदू विश्वविद्यालय महामना मदन मोहन मालवीय की साधना का परिणाम है और इसकी स्थापना का उद्देश्य काशी को उसकी प्राचीन ज्ञान-विज्ञान की पहचान दिलाना था। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय ज्ञान परंपरा, आधुनिक विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार का समन्वय भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा विश्व मंच पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पत्नी को विदा कराकर लौट रहे नवविवाहित युवक की सड़क हादसे में मौत, शादी की खुशियां मातम में बदलीं

लोकतंत्र की शान/ मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश/जनपद रामपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को पलभर में मातम में बदल दिया। नवविवाहित युवक मोहम्मद आरिफ अपनी पत्नी को विदा कराकर घर लौट रहा था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने उसकी जिंदगी छीन ली। जानकारी के अनुसार, मिलक खानम थाना क्षेत्र के ग्राम माठखेड़ा निवासी मोहम्मद आरिफ की शादी 2 जून को क्षेत्र के गांव शिकारपुर में हुई थी। मंगलवार को वह अपनी पत्नी को विदा कराकर कार से वापस घर लौट रहा था। कार में आरिफ के साथ उसका भाई, भाभी और बहन भी सवार बताए गए। बताया जा रहा है कि जैसे ही उनकी कार गांव मानपुर के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां मोहम्मद आरिफ की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर किया गया। लेकिन इलाज के दौरान आरिफ ने दम तोड़ दिया।

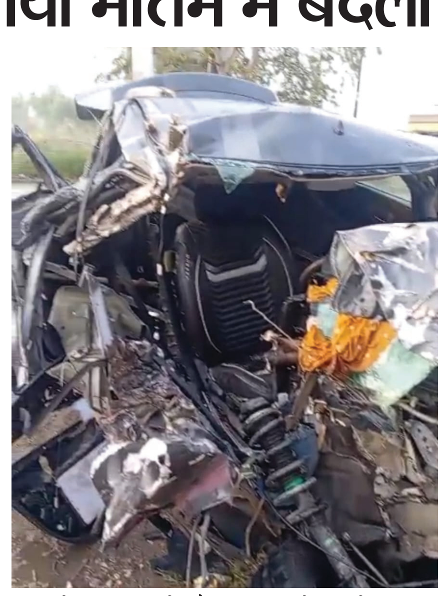

गौमाता की मौत पर फूटा लोगों का गुस्सा, जलभराव बना जानलेवा, वार्ड 8 में आखिर जिम्मेदार कौन?

लोकतंत्र की शान/ मंडल प्रभारी अवनीत कुमारशर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश/ रामपुर थाना सिविल लाइन क्षेत्र के ज्वाला नगर अगापुर रोड के विकास नगर गड्ढा कॉलोनी स्थित बालाजी वाली गली, वार्ड नंबर 8 में लगातार जलभराव की समस्या ने अब गंभीर रूप ले लिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार समाचार पत्रों और मीडिया के माध्यम से समस्या को उठाया गया, लेकिन नगर पालिका अधिकारियों, वार्ड प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। बताया जा रहा है कि गली में लंबे समय से पानी भरा हुआ है, जिससे आम लोगों का निकलना दूभर हो गया है। हाल ही में इसी जलभराव के कारण एक गौमाता की मौत हो गई, जिसके बाद क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। हिंदू समाज के लोगों का कहना है कि गौमाता को पूजनीय माना जाता है, लेकिन उनकी मौत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की संवेदनहीनता देखने को मिल रही है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब वार्ड में सभासद (पार्षद) चुने गए हैं तो उनकी जिम्मेदारी क्या है? यदि जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, तो जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। लोगों का आरोप है कि जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका प्रशासन और शहर विधायक से तत्काल हस्तक्षेप कर जलभराव की समस्या का समाधान कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो भविष्य में और बड़े हादसे हो सकते हैं। जनता का सवाल "गौमाता की मौत के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, आखिर वार्ड 8 की सुध कब लेंगे जिम्मेदार?"

12 साल बेमिसालः बरेली में विकास की नई इबारत, प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने गिनाईं मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियां

» CM डैशबोर्ड में अव्वल प्रदर्शन, रोजगार, निवेश, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं में तेजी से बढ़ा बरेली

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को बरेली सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में जनपद के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बरेली ने विकास, प्रशासनिक सुधार, रोजगार, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों और योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचा है और इसी का परिणाम है कि बरेली आज प्रदेश के अग्रणी जनपदों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।

प्रशासनिक व्यवस्था में उत्कृष्ट प्रदर्शन–मंत्री राठौर ने बताया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग में बरेली लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। मार्च 2026 में जिले को प्रदेश में दूसरा स्थान मिला, अप्रैल 2026 में भी दूसरा स्थान प्राप्त हुआ जबकि मई 2026 में बरेली ने प्रथम स्थान हासिल कर प्रशासनिक दक्षता और सुशासन का नया उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई और IGRS शिकायत निस्तारण प्रणाली में भी वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान बरेली प्रदेश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल रहा। आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए सभी तहसील मुख्यालयों पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक जनता दर्शन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसकी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

आर्थिक विकास में नई छलांग-प्रेस वार्ता के दौरान प्रभारी मंत्री ने बताया कि जिला घरेलू उत्पाद (GDDP) के आधार पर बरेली प्रदेश में आठवें स्थान पर पहुंच चुका है। वर्ष 2021–22 में जहां जनपद का GDDP 46,282 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2024–25 में यह बढ़कर 65,119 करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 40.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

पूर्व चेयरमैन मोअज्जम खान ने किया कोटद्वार रोड पर 'अल अली टूर एंड ट्रैवल्स' कार्यालय का शुभारंभ

लोकतंत्र की शान/ खिज़र अहमद

नजीबाबाद। कोटद्वार रोड स्थित मार्केट में शनिवार को अल अली टूर एंड ट्रैवल्स के नए कार्यालय का शुभारंभ पूर्व चेयरमैन मोअज़्ज़म ख़ान एडवोकेट द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यालय के स्वामी मो. अबूज़र अली को नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और कारोबार में तरक्की की कामना की। पूर्व चेयरमैन मोअज़्ज़म ख़ान ने कहा कि युवाओं का स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना समाज और क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अल अली टूर एंड ट्रैवल्स अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करते हुए सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी मो. अबूज़र अली को बधाई दी और उनके व्यवसाय की उन्नति के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर मो. शहबाज़ ख़ान, हाजी नदीम, मो.

ज़ाहिद, हाजी मुख़्तार, क़ारी मुजीबुर्रहमान, हाजी अय्यूब, मो. नौशाद अहमद (पूर्व सभासद), ज़ैद अंसारी, शफ़ीक़ अहमद, मो. अहज़ाम, हाजी सिराजुद्दीन, मो. कैफ़, सलमान राईन, मो. शुएब, मो. शाहरुख, मो. साकिब, अबरार अहमद, शफ़ीक़ अहमद सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुरादाबाद : धारक नगला में विवादित मजार पर चला बुलडोजर, भारी पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन की कार्रवाई

लोकतंत्र की शान/ मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश/ थाना भोजपुर क्षेत्र के गांव धारक नगला में वर्षों से विवादों में घिरी एक मजार को शुक्रवार को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। प्रशासन का दावा है कि मजार राजस्व अभिलेखों में दर्ज धार्मिक स्थल की भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई थी। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। राजस्व अभिलेखों में दर्ज है चामुंडा देवी स्थान,प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार गांव धारक नगला की गाटा संख्या 148 की लगभग 0.008 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में चामुंडा देवी स्थान के नाम से दर्ज है। आरोप है कि इसी भूमि पर एक समुदाय विशेष के लोगों ने मजार का निर्माण कर लिया था, जिसके बाद भूमि को लेकर विवाद शुरू हो गया।

बरेली में तीन दिवसीय शूटिंग चैंपियनशिप का उत्साह, खिलाड़ियों ने दिखाया निशानेबाजी का दम

» एसएसपी अनुराग आर्य ने निशानेबाजी कर खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, विजेताओं को मिलेगा सम्मान

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) स्मार्ट सिटी बरेली में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय शूटिंग चैंपियनशिप का शनिवार को दूसरा दिन उत्साह, प्रतिस्पर्धा और रोमांच से भरपूर रहा। जेल रोड स्थित रायफल क्लब परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों खिलाड़ियों ने अपनी उत्कृष्ट निशानेबाजी क्षमता का प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखने को मिली। प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों में जीत का जोश और बेहतर प्रदर्शन करने की उत्सुकता साफ दिखाई दी। विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खिलाड़ियों ने एकाग्रता, अनुशासन और तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों और आयोजकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए स्वयं भी निशानेबाजी में हिस्सा लिया। एसएसपी द्वारा लगाए गए सटीक निशानों ने उपस्थित लोगों की खूब सराहना प्राप्त की और खिलाड़ियों को प्रेरणा मिली। वहीं पुलिस अधीक्षक नगर (एसपी नॉर्थ) मुकेश चंद्र मिश्र ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर खेल भावना का परिचय दिया। अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और आयोजन को विशेष पहचान दिलाई। इस अवसर पर एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं और उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास तथा प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

8 बच्चे किए गए रेस्क्यू, तीसरे दिन भी कार्रवाई, बाल श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर लगेगा जुर्माना

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तीसरे दिन शुक्रवार को धावा दल ने हाजीपुर के औद्योगिक और नगर थाना क्षेत्रों से कुल 8 बच्चों को रेस्क्यू किया। यह कार्रवाई जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर की गई। यह रेस्क्यू ऑपरेशन एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल वैशाली और स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में चलाया गया। अभियान का उद्देश्य बिहार को बाल श्रम मुक्त राज्य बनाना है। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही, बच्चों को काम पर रखने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के डायरेक्टर सह सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और आरक्षी अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर यह व्यापक अभियान जारी है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि बाल श्रम अधिनियम के तहत बच्चों से काम कराना कानूनी अपराध है। इसके उल्लंघन पर नियोक्ता को 20,000 से 50,000 रुपए तक का जुर्माना और दो साल तक की कैद का प्रावधान है। विमुक्त कराए गए बच्चों को श्रम संसाधन विभाग द्वारा 3,000 रुपये की राशि भी उपलब्ध कराई जाती है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में औद्योगिक और नगर थाने की पुलिस बल, बचपन बचाओ आंदोलन की अनुपम कुमारी, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल के इंस्पेक्टर याकूब अली, तथा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के प्रतिनिधि नीलू कुमारी, राजीव कुमार और गुड्डू कुमार शामिल थे।

पिस्टल के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार, घर को बना रखा था शराब का गोदाम, कार से करता था डिलीवरी

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने हाथियार के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने घर को ही शराब का स्टोर प्वाइंट बनाकर अवैध विदेशी शराब की सप्लाई कर रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक अवैध पिस्टल, दो मैगजीन, 12 कारतूस और भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई है। पुलिस को आशंका है कि आरोपी हथियार के बल पर शराब के अवैध कारोबार को संचालित कर रहा था। यह कार्रवाई अहियापुर थाना क्षेत्र के गरहा ओपी अंतर्गत पटियासा गांव में की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. सैफ अली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। 12 जून की रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गरहा ओपी क्षेत्र में एक व्यक्ति अपने घर से अवैध शराब की बिक्री और सप्लाई का धंधा चला रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए नगर क्षेत्र-2 की एसडीपीओ विनीता सिन्हा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पटियासा गांव में छापेमारी की। घेराबंदी कर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान घर से भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी घर में शराब का स्टॉक रखकर विभिन्न इलाकों में उसकी सप्लाई करता था। बरामद पिस्टल और कारतूस को देखते हुए पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं शराब कारोबार को सुरक्षित रखने और विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए हथियार का इस्तेमाल तो नहीं किया जाता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 79.2 लीटर विदेशी शराब, एक पिस्टल, दो मैगजीन, 12 जिंदा कारतूस और एक चारपहिया गाड़ी जब्त की है।

नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की तलाशः सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से अवैध हथियार, कारतूस और विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी अपने घर से शराब की सप्लाई करता था। उन्होंने बताया कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास का भी सत्यापन कराया जा रहा है। पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी हुई है। पुलिस ने इस मामले में गरहा ओपी (अहियापुर) थाना कांड संख्या 1041/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मकान में चल रहा था सेक्स रैकेट, आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ाए 2 लोग अरेस्ट, आठ लड़कियों का हुआ रेस्क्यू

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सरैया थाना क्षेत्र के रतवारा चंदन गांव स्थित एक लाइन होटल के पास मकान में छापेमारी हुई। इसमें आठ युवतियों को सुरक्षित बचाया गया है, जबकि आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा को लंबे समय से क्षेत्र में अवैध देह व्यापार संचालित होने की गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। इन सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए, एसएसपी के निर्देश पर सरैया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अभिजीत कौर और सरैया थाना अध्यक्ष के संयुक्त नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने पूरी तैयारी के साथ चिन्हित ठिकाने की घेराबंदी की और अचानक छापेमारी कर दी। पुलिस की इस कार्रवाई से वहां मौजूद लोगों को भागने का मौका नहीं मिला। जब टीम ने मकान के कमरों की तलाशी ली, तो एक बंद कमरे में दो युवक और युवतियां आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए। पुलिस ने मौके पर ही दोनों पुरुष बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, रैकेट का मुख्य संचालक और परिसर का मालिक पुलिस की भनक लगते ही फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने कमरों की सघन तलाशी के दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री, कई मोबाइल फोन और कैश रुपये बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन के कॉल डिटेल्स खंगाले जा रहे हैं, ताकि रैकेट के मुख्य सरगना तक पहुंचा जा सके। एसडीपीओ अभिजीत कौर ने बताया कि पुलिस को रतवारा चंदन गांव में अनैतिक देह व्यापार चलाए जाने की सटीक जानकारी मिली थी। छापेमारी के दौरान कुल 8 महिलाओं और युवतियों को रेस्क्यू किया गया है, जिन्हें सुरक्षित अभिरक्षा में रखकर आगे की काउंसिलिंग और कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वे इस धंधे में कब से संलिप्त थे और उनके तार कहां-कहां जुड़े हैं। एसडीपीओ ने साफ कहा कि परिसर का मालिक फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। पुलिस ने मकान को भी सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस जगह पर काफी समय से संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें आ रही थीं, लेकिन पुख्ता सबूत न होने के कारण कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। सरैया थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कानूनी और आगे की कार्रवाई तेज कर दी है।

मुजफ्फरपुर में मोबाइल दुकान से चोरी के 5 बदमाश अरेस्ट

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने कांटी थाना क्षेत्र के नरसंडा चौक स्थित एक मोबाइल दुकान में हुई चोरी का खुलासा किया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है। यह चोरी 24 मई 2026 को हुई थी। चोरों ने दुकान से मोबाइल फोन, इनवर्टर, ब्लूटूथ, चार्जर, बैटरी और लगभग 40 हजार रुपये कैश चुरा लिए थे। दुकान संचालक कमल कुमार अंशु के आवेदन पर कांटी थाना में कांड संख्या 321/26 दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए, वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के अनुश्रवण और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पश्चिमी-1 ने किया। टीम ने जांच के आधार पर छापेमारी की। पुलिस को 11 जून को मिली जानकारी के आधार पर रक्सौल में कार्रवाई की गई। इस दौरान मन्टु कुमार, भोला कुमार, अर्जुन कुमार, विशाल कुमार और एहतराम आलम को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपी पूर्वी चंपारण जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के निवासी है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 23 कीपैड मोबाइल, 14 ओटीजी, 5 ब्लूटूथ, 3 कटर, 8 चाकू, एक इंची टेप और एक प्लास बरामद किया गया है।

बिहार में प्रेशर-मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न लगाने पर होगी कार्रवाई

वाहन मालिकों के साथ विक्रेताओं पर भी सख्ती, सभी जिलों में विशेष जांच अभियान चलेगा

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में ध्वनि प्रदूषण-सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने वाहनों में प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न के खिलाफ राज्यव्यापी विशेष जांच अभियान चलाने का फैसला किया है। अभियान के तहत न केवल प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने वाले वाहन मालिकों पर कार्रवाई होगी, बल्कि इनकी बिक्री करने वाले दुकानदारों और प्रतिष्ठानों पर भी सख्ती होगी। इसको लेकर परिवहन सचिव राज कुमार ने सभी जिलों में विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश जारी किया है।

क्या है प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न?: प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न सामान्य हॉर्न की तुलना में काफी तेज आवाज करते हैं। इनसे निकलने वाली ध्वनि निर्धारित मानकों से अधिक होती है, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि मोटर वाहन नियमों के तहत इनका उपयोग प्रतिबंधित है।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि मानक स्तर से अधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न का उपयोग मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 190(2) के तहत दंडनीय अपराध है। विशेष जांच अभियान के दौरान यदि किसी वाहन में ऐसे हॉर्न पाए जाते हैं तो संबंधित वाहन चालक और मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि सामान्य वाहनों के साथ-साथ स्कूली वाहनों की भी सघन जांच की जाए। जांच के दौरान यदि किसी स्कूल बस या अन्य वाहन में प्रेशर हॉर्न या अत्यधिक तीव्र ध्वनि वाला मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को इस विशेष अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने का निर्देश दिया है। इसके तहत नियमित जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान की जाएगी। परिवहन विभाग केवल वाहनों तक ही सीमित नहीं रहेगा। विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न बेचने वाले प्रतिष्ठानों पर धावा दल के माध्यम से छापेमारी की जाए। छापेमारी के दौरान ऐसे हॉर्न जब्त किए जाएंगे और संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इससे अवैध हॉर्न की बिक्री पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। परिवहन विभाग ने सभी नगर आयुक्तों को भी पत्र भेजा है। पत्र में निर्देश दिया गया है कि नगर निगम के वाहनों में यदि कहीं प्रेशर हॉर्न लगाए गए हैं तो उन्हें तत्काल हटाया जाए, ताकि सरकारी वाहन भी नियमों का पालन कर सकें।

पटना-सासाराम में बारिश, बक्सर-औरंगाबाद-जहानाबाद में आंधी

◆ 20 जिलों में अलर्ट, अगले 72 घंटे में पूरे राज्य में पहुंचेगा मानसून, 10 जिलों में हेवी रेन की चेतावनी

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। मानसून राज्य के 19 जिलों में तरह एक्टिव है। इस बीच पटना और सासाराम में बारिश शुरू हो गई है। बक्सर, औरंगाबाद और जहानाबाद में तेज आंधी चली। यहां काले बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज पूरे प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 20 जिलों में ऑरेंज और 18 में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 60kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 72 घंटों में पूरे बिहार मानसून पहुंचेगा। फिलहाल, मानसून उत्तरी सीमा मुजफ्फरपुर से होकर गुजर रही है। अगले 24 घंटे में प्रदेश के 10 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटे में खगड़िया, सुपौल समेत कुछ जिलों में बादल छाए रहे। 39.9 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा। पटना का तापमान 35.6 डिग्री रहा। हालांकि, रात में ठंडी हवा से गर्मी से राहत मिली।

21 जिलों में मानसून सक्रियः मौसम विभाग के अनुसार, 12 जून को मानसून ने राज्य के कई नए क्षेत्रों में दस्तक दी है। फिलहाल 21 जिलों में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है, जबकि पांच अन्य जिलों के कुछ हिस्सों में इसकी एंट्री हो गई है। अगले दो से तीन दिनों में बिहार के शेष हिस्सों में मानसून पहुंच सकता है।

ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश

लोकतंत्र की शान
मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः आज दिनांक 13.06.2026 को जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की वर्तमान प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने योजनाओं के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, निर्धारित समयसीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ समय पर लाभार्थियों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी योजनाओं की नियमित निगरानी एवं सतत अनुश्रवण आवश्यक है, जिससे अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जा सके और विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, निदेशक डीआरडीए सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीएम सूर्य घर योजना के प्रचार-प्रसार पर जोर, जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रबुद्धजनों के साथ बैठक आयोजित

लोकतंत्र की शान
मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः आज दिनांक 13.06.2026 को स्थानीय विकास भवन में जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार एवं उपयोगिता पर विचार-विमर्श हेतु जिलांतर्गत प्रबुद्धजनों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए अपरंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत सीमित हैं और दीर्घकाल में पर्यावरण के लिए हानिकारक भी सिद्ध होते हैं। ऐसे में भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ विकल्पों को अपनाना जरूरी है।

बैठक में पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि यह भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत घरों की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य आम लोगों के बिजली बिल को कम करना तथा सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है।

योजना के तहत 1 किलोवाट सिस्टम पर 30,000, 2 किलोवाट पर 60,000 तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक पर अधिकतम 78,000 तक की केंद्रीय सहायता दी जाती है। इसके माध्यम से लगभग 300 यूनिट तक मासिक बिजली की आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी की जा सकती है। साथ ही अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर लाभ प्राप्त करने की सुविधा (नेट मीटरिंग) भी उपलब्ध है।

पात्रता के संबंध में बताया गया कि आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए, उसके नाम पर आवासीय घर एवं उपयुक्त छत होनी चाहिए, वैध बिजली कनेक्शन होना अनिवार्य है तथा पूर्व में किसी अन्य सोलर सब्सिडी का लाभ नहीं लिया गया हो। आवेदन प्रक्रिया के तहत इच्छुक व्यक्ति को आधिकारिक पोर्टल पर पंजीकरण कर राज्य, डिस्कॉम एवं उपभोक्ता संख्या दर्ज करनी होगी। इसके बाद आवेदन जमा कर स्वीकृति प्राप्त करनी होगी तथा अधिकृत विक्रेता से सोलर सिस्टम स्थापित कराने के उपरांत निरीक्षण एवं नेट मीटरिंग के बाद सब्सिडी सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाएगी।

जिलाधिकारी ने उपस्थित प्रबुद्धजनों से अपील की कि वे इस योजना का स्वयं लाभ उठाएं तथा इसके व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, नगर आयुक्त श्री प्रभात कुमार झा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

2 पुलिसकर्मियों को गोली मारने वाला एनकाउंटर में ढेर

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में अपर थानेदार और ASI को गोली मारने वाला अपराधी एनकाउंटर में ढेर हुआ है। मसौढ़ी में शुक्रवार की शाम किडनैपिंग केस में पुलिस और अपराधियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई थी। अपराधियों की फायरिंग में मसौढ़ी थाने के अपर थानेदार राहुल कुमार और ASI संजय कुमार को गोली लगी। पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए एक अपराधी हैदर को गोली मारकर ढेर कर दिया। ये मुठभेड़ शुक्रवार की शाम 7:15 बजे मसौढ़ी थाने से महज 400 मीटर दूर मणिचक तालाब के पास एक खेत में हुई। दोनों ओर से करीब 12 गोलियां चलीं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने भी किडनैप किए युवक को छुड़वा लिया। अपराधी वहां से भाग निकले थे। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली की एक बदमाश को गोली लगी है। उसके साथ उसे पटना के 4 अस्पतालों में ले गए, लेकिन उसकी मौत हो गई।

गोली लगने के बाद अपराधी भाग निकलेः पटना पूर्वी के पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया- 12 जून को शाम के 7 बजे के आसपास पुलिस को सूचना मिली थी अपराधियों ने एक युवक का अपहरण किया है। उसके साथ मारपीट की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग कर दी।

इसमें 2 पुलिस वालों को गोली लगी है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अपराधी भाग निकले। पुलिस ने किडनैप हुए युवक को छुड़वाया। उसने बताया कि OLX पर मोबाइल बेचने-खरीदने के नाम पर उसे यहां बुलाया गया था।

घायल पुलिस वालों को AIIMS में भर्ती किया गया है। दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। इसके बाद पता चला कि पुलिस की कार्रवाई में एक अपराधी को गोली लगी है। सभी अपराधी घायल को लेकर पहले पुनपुन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इसके बाद उसे PMCH लेकर आए। यहां से मैक्स फिर पारस अस्पताल पहुंचे। मैक्स अस्पताल में अपराधी की मौत हो गई। उसका नाम हैदर है। हैदर की क्राइम हिस्ट्री है। 3-4 पहले जेल से बाहर आया था। बाकी अपराधियों की भी पहचान कर ली गई है। सभी से पूछताछ की जा रही है। घटना में 4 से 6 अपराधियों की बात सामने आ रही है।

◆ किडनैपिंग कर भागे, गोलियां बरसाईं, बुलेट लगने के बाद 4 अस्पतालों में ले गए साथी

पूरी घटना संगत पर के रहने वाले रंजन कुमार के अपहरण से जुड़ी है। संगतपर का रहने वाला रंजन साइबर कैफे चलाता है और ऑनलाइन पुराने मोबाइल की खरीद-बिक्री करता है। मोबाइल के पैसों के लेनदेन को लेकर 6 हथियारबंद अपराधी कार से आए और रंजन को कॉल कर तालाब के पास बुलाया। वहां अपराधी उसे पास के खेत में ले गए और उसके साथ मारपीट की। बदमाशों ने युवक से तीन-चार मोबाइल और कैश भी लूट लिया। अपराधी रंजन को अपहरण कर ले जाने लगे। स्थानीय लोगों ने जब उसे बचाने की कोशिश की, तो गोली मारने की धमकी देकर उन्हें पीछे हटा दिया। इसके बाद लोगों ने डायल 112 और थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही अपर थानेदार राहुल कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस दौरान राहुल कुमार को दो गोलियां लगीं। एक पैर में और एक हाथ में। ASI संजय कुमार के हाथ में भी गोली लगी।

'सबूत मिटाने के लिए बेल्ट्रॉन ऑफिस में आग लगवाई गई'

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में बिस्कोमान भवन की 13वीं मंजिल पर शनिवार सुबह करीब 4 बजे आग लग गई। गार्ड बिल्डिंग में मौजूद था। उसने देखा कि पूरा धुआं भरने लगा है। बाहर निकला तो 13वें फ्लोर की खिड़कियों से आग की लपटें दिखाई दीं। इसके बाद उसने पुलिस और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी। थोड़ी देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बिस्कोमान भवन पहुंच गईं। ऊंचाई ज्यादा होने की वजह से आग पर काबू पाने में परेशानी हो रही है थी।

इसके बाद हाइड्रोलिक गाड़ियां मंगवाई गई। इनकी मदद से करीब 45 मिनट के अंदर आग पर काबू पा लिया गया। आग से बेल्ट्रॉन ऑफिस को नुकसान पहुंचा है। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और डॉक्यूमेंट्स जले हैं।

आग लगने के बाद फ्लोर में धुआं भरने लगा। इसके बाद गार्ड पता लगाने में लगा कि धुंआ कहां से आ रहा है। उसने देखा कि 13वीं मंजिल पर आग लगी है। इसके बाद अफरातफरी का माहौल बन गया। फायर कंट्रोल रूम को खबर की गई। आग लगने की घटना में नुकसान भी पहुंचा है। जिसका आंकलन फिलहाल नहीं किया जा सका है। लोगों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की आवाज आ रही थी। ये सब सुनकर हम यहां पहुंचे। देखा तो बिल्डिंग से तेज लपटें उठ रही थीं।

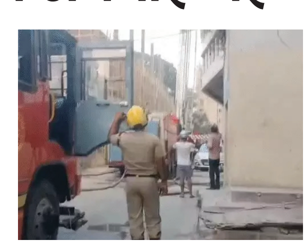

❒ कांग्रेस बोली- रिशु श्री यहीं से टेंडर मैनेज करता था

पटना के करगिल चौक पर डिप्लोमा फार्मासिस्ट अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार तकनीकी सेवा आयोग (BTSC) द्वारा डिप्लोमा फार्मासिस्ट के 2473 पदों पर नियमित नियुक्ति का फाइनल रिजल्ट जारी नहीं किए जाने को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश सड़क पर दिखा। शनिवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने पटना में प्रदर्शन करते हुए आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। डिप्लोमा फार्मासिस्ट ऑर्गनाइजेशन और छात्र संघ, बिहार के बैनर तले अभ्यर्थियों ने पीएमसीएच गेट से गांधी मैदान तक मार्च निकाला। इसके बाद कारगिल चौक के पास बिहार तकनीकी सेवा आयोग के चेयरमैन और सचिव का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया।

छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि, 'आयोग को शुक्रवार तक फाइनल रिजल्ट

जारी करने का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन तय समय बीत जाने के बाद भी परिणाम घोषित नहीं किया गया।' उन्होंने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद रिजल्ट रोके जाने से हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है और इससे मानसिक व आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

राहुल गांधी पटना में 11 जुलाई को करेंगे स्टूडेंट सम्मेलन

लोकतंत्र की शान, पटना

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 11 जुलाई को पटना में छात्र सम्मेलन आयोजित करेंगे। कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस सम्मेलन में छात्रों, उम्मीदवारों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाया जाएगा। पेपरलीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी स्टूडेंट्स से बात करेंगे।

राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं के लिए उठाएंगे आवाजः कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने

इसकी जानकारी दी। वेणुगोपाल ने कहा- राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं के लिए लगातार आवाज उठाने में एक विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की समस्याओं को सामने लाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और एक निष्पक्ष पारदर्शी भर्ती प्रणाली नहीं होने से प्रभावित हो रहा है।

पेपर लीक रैकेट के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांगः इस अभियान के जरिए राहुल गांधी केंद्र सरकार के सामने नीट (NEET) परीक्षा का डिसेंट्रलाइजेशन, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एग्जाम फीस की समाप्ति, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई, परीक्षा प्रणाली में उच्चतम स्तर पर जवाबदेही तय करना, जैसी मांगें रखेंगे। इस अभियान की शुरुआत 17 जून को कोटा से हो रही है। उसके बाद 10 जुलाई को प्रयागराज और 14 जुलाई को दिल्ली में स्टूडेंट सम्मेलन होंगे।

◆ पेपरलीक के खिलाफ करेंगे छात्रों से संवाद, युवा अपने अनुभव करेंगे साझा

युवा अपने अनुभव साझा करेंगेः वेणुगोपाल ने कहा कि, इन सम्मेलनों में पेपरलीक और भर्ती घोटालों से प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने का मंच मिलेगा। बार-बार होने वाली परीक्षा विफलताओं व पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही तय करने की मांग करने का भी अवसर होगा। वेणुगापाल ने कहा- 'इस देशव्यापी अभियान के तहत देश भर में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस के साथ सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों और जिला कांग्रेस कमेटियां छात्रों को लामबंद करेंगी। छात्रों और शिक्षकों से कॉन्टैक्ट करके पेपरलीक के खिलाफ लामंबद होकर सुधार पर जोर दिया जाएगा।

डॉ. अशोक वर्मा ने रक्तदान को बनाया जीवन का मिशन

लोकतंत्र की शानः राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल। करनाल की धरती पर जन्मे, पले-बढ़े और शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात हरियाणा पुलिस में सिपाही भर्ती होकर उपनिरीक्षक पद पर पहुंचे डॉ. अशोक कुमार वर्मा आज देशभर में पुलिस विभाग के सर्वोच्च रक्तदाता के रूप में जाने जाते हैं। रक्तदान के प्रति उनका समर्पण उन्हें लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनाता है। वे अब तक 183 बार रक्तदान, 89 बार प्लेटलेट्स दान तथा 1 बार प्लाज्मा दान कर चुके हैं। वर्ष 1990 से शुरू हुई उनकी रक्तदान यात्रा आज भी निरंतर जारी है। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा करनाल में प्राप्त की। वे राजकीय महाविद्यालय करनाल के छात्र तथा एनसीसी कैडेट रहे हैं। वर्ष 1990 में उन्होंने डीएवी कॉलेज, करनाल में पहली बार रक्तदान किया था। यही वह अवसर था जिसने उनके जीवन में सेवा और मानवता की एक नई राह खोल दी। रक्तदान के प्रति उनका समर्पण एक व्यक्तिगत अनुभव के बाद और अधिक मजबूत हो गया। उनके पुत्र के जन्म के समय वह गंभीर पीलिया से पीड़ित हो गया था और चिकित्सकों ने रक्त बदलने की आवश्यकता बताई। उस समय डॉ. वर्मा ने स्वयं रक्तदान कर अपने पुत्र के उपचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस घटना ने उनके मन में यह संकल्प पैदा किया कि वे जीवनभर रक्तदान करेंगे और जरूरतमंद लोगों की सहायता करते रहेंगे। उनके जीवन की एक अन्य प्रेरणादायक घटना भी पहले रक्तदान से जुड़ी है। पहली बार रक्तदान करने पर परिवार के कुछ सदस्यों ने इसे उचित नहीं माना, जिससे वे कुछ निराश हुए। लेकिन उसी दिन उनके पिता स्वर्गीय कली राम, जो भारतीय सेना में सैनिक रहे थे, ने उनका उत्साह बढ़ाते हुए कहा, "रक्तदान महादान है, आपने बहुत अच्छा कार्य किया है और इसे निरंतर जारी रखना चाहिए।" पिता के इन शब्दों ने उनके जीवन की दिशा तय कर दी और उन्होंने रक्तदान को अपना मिशन बना लिया। अपने सैनिक पिता की स्मृति को जनसेवा से जोड़ते हुए डॉ. वर्मा ने 26 नवम्बर 2010 को उनकी पुण्यतिथि पर करनाल में पहला स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया। तब से वे प्रतिवर्ष अपने पिता स्वर्गीय कली राम की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित करते आ रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार वर्मा अब

तक 590 स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन कर चुके हैं। इन शिविरों में 21,076 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया है। इससे लगभग 63,228 जरूरतमंद मरीजों, थैलेसीमिया पीड़ितों और दुर्घटनाग्रस्त लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इसके अतिरिक्त वे विभिन्न माध्यमों से आपातकालीन परिस्थितियों में भी रक्त उपलब्ध करवाने में सक्रिय रहते हैं और अब तक 80 हजार से अधिक लोगों तक रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग कर चुके हैं। डॉ. वर्मा की रक्तदान यात्रा केवल उनकी व्यक्तिगत सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसे एक पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जनआंदोलन का रूप दे दिया है। उनका पूरा परिवार रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। चाहत स्टूडियो के स्वामी उनके स्वर्गीय भाई विनोद कुमार वर्मा 70 से अधिक बार रक्तदान कर चुके थे। उनके बड़े भाई सतपाल वर्मा तथा यशवंत वर्मा भी अनेक बार रक्तदान कर चुके हैं। उनके एक भाई नरेश कुमार खिप्पल 50 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। उनके बहनोई धर्मेंद्र वर्मा, भांजे-भांजियां तथा भतीजे-भतीजियां भी नियमित रूप से रक्तदान कर समाजसेवा में योगदान देते हैं। उनके सुपुत्र अक्षय वर्मा, सुपुत्री प्रियांका वर्मा, जो हरियाणा में न्यायिक सेवा में कार्यरत हैं, तथा छोटी पुत्री दिवा वर्मा भी अनेक बार रक्तदान कर चुकी हैं। उनकी धर्मपत्नी भी रक्तदान एवं सामाजिक कार्यों में निरंतर उनका सहयोग करती हैं। परिवार के सभी सदस्यों का यह समर्पण दर्शाता है कि रक्तदान उनके परिवार की जीवनशैली और संस्कार का हिस्सा बन चुका है। न केवल परिवार, बल्कि अपने रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों को भी डॉ. वर्मा ने रक्तदान के इस अभियान से जोड़ा है। उनके प्रेरक प्रयासों से सैकड़ों लोग नियमित रक्तदाता बने हैं और मानवता की सेवा के इस महायज्ञ में सहभागी बन रहे हैं। रक्तदान के क्षेत्र में उनकी अतुलनीय सेवाओं के लिए उन्हें हरियाणा के महामहिम राज्यपाल द्वारा दो बार स्वर्ण पदक प्रदान किया जा चुका है। उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। सामाजिक सेवा, रक्तदान जागरूकता और मानवता की सेवा के लिए उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मानित किया गया है। पुलिस सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें 26 जनवरी 2020 को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वे मधुबन स्थित हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में जागरूकता एवं पुनर्वास गतिविधियों से जुड़े हुए हैं तथा पूरे हरियाणा में नशामुक्ति अभियान को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार वर्मा केवल रक्तदान तक सीमित नहीं हैं। वे रोटी बैंक के प्रधान के रूप में भी समाजसेवा के अनेक कार्यों का नेतृत्व कर रहे हैं। साइकिल यात्राओं, जन-जागरण कार्यक्रमों, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान जागरूकता और नशामुक्ति अभियानों के माध्यम से वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार वर्मा का जीवन इस बात का सशक्त उदाहरण है कि यदि एक व्यक्ति सेवा का संकल्प ले ले, तो वह हजारों लोगों के जीवन में आशा, विश्वास और नई ऊर्जा का संचार कर सकता है। करनाल की इस महान विभूति ने रक्तदान को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनसेवा का आंदोलन बना दिया है। उनकी रक्तदान यात्रा न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाली पीढ़ियों को मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रुचि इस बात का प्रतीक है कि वे नियमित शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वे पीएचडी इन लॉ, मास्टर ऑफ़ कॉमर्स, मास्टर ऑफ़ फिलोसॉफी, मास्टर ऑफ़ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर ऑफ़ लॉज़, मास्टर ऑफ़ साइकोलॉजी, पीजी इन साइबर लॉ आदि अनेक उच्च शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं।

पदभार ग्रहण करते ही नवागत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने किया शहर भ्रमण, यातायात व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था का लिया जायजा

लोकतंत्र की शान

कटनी जिले के नवागत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य द्वारा पदभार ग्रहण करने के उपरांत तत्काल शहर का भ्रमण कर जिले की कानून व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने थाना कोतवाली परिसर का निरीक्षण किया तथा थाना माधवनगर क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मौर्य ने शहर के प्रमुख मार्गों, व्यस्त चौराहों एवं महत्वपूर्ण चेकिंग पॉइंटों का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा की तथा उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने, यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाने एवं आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने थाना कोतवाली परिसर की व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण, साफ-सफाई एवं जनसुनवाई व्यवस्था का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को अनुशासित एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग के लिए प्रेरित किया।

पीएम श्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों का होगा राज्य स्तरीय वेबिनार

» मेड़ता के जारोड़ा कलां विद्यालय का भी चयन

लोकतंत्र की शानः एजाज़ अहमद उस्मानी

मेड़ता रोड : राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा प्रदेश के पीएम श्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों के लिए आयोजित किए जाने वाले महत्वपूर्ण वेबिनार में नागौर जिले की मेड़ता तहसील स्थित पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जारोड़ा कलां का भी चयन हुआ है। विद्यालय के चयन से क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा इसे विद्यालय परिवार की उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक के बाद प्रदेश के पीएम श्री विद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों, शैक्षणिक उपलब्धियों और श्रेष्ठ कार्यों के प्रदर्शन के लिए वेबिनार आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेशभर के 639 पीएम श्री विद्यालयों में से चयनित 15 विद्यालयों के संस्था प्रधान अपने विद्यालयों की उत्कृष्ट गतिविधियों एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज प्रस्तुत करेंगे। इसी क्रम में विभिन्न संभागों से प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन के बाद पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जारोड़ा कलां को भी प्रस्तुतीकरण के लिए चयनित किया गया है। विद्यालय के पीईईओ मोहम्मद अख्तर नदीम व प्रधानाचार्य सुमित टांक वेबिनार

में विद्यालय द्वारा शिक्षा, नवाचार, सह-शैक्षणिक गतिविधियों, सामुदायिक सहयोग एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों के संबंध में प्रस्तुति देंगे। वेबिनार में संस्था प्रधानों को विद्यालय का परिचय, विद्यालय की पूर्व एवं वर्तमान स्थिति, पीएम श्री गतिविधियों के अतिरिक्त किए गए नवाचार, विद्यार्थियों के शैक्षणिक परिणामों में सुधार, प्राप्त अनुदान राशि का प्रभावी उपयोग, जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां तथा सीएसआर एवं जनसहयोग से किए गए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी साझा करनी होगी। प्रत्येक चयनित संस्था प्रधान को प्रस्तुतीकरण के लिए 10 मिनट का समय दिया जाएगा। परिषद ने निर्देश दिए हैं कि प्रस्तुति वीडियो क्लिप अथवा पीपीटी के साथ ऑडियो प्रारूप में तैयार कर 15 जून 2026 तक परिषद मुख्यालय को भेजी जाए। कार्यक्रम में मुख्य सचिव भी वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे और चयनित विद्यालयों के कार्यों का अवलोकन करेंगे। जारोड़ा कलां विद्यालय का चयन मेड़ता क्षेत्र के लिए गौरव की बात माना जा रहा है। विद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचार, विद्यार्थियों के उत्कृष्ट परिणाम तथा विद्यालय विकास में समुदाय की सक्रिय भागीदारी को देखते हुए यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। क्षेत्र के शिक्षाविदों एवं ग्रामीणों ने विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए वेबिनार में उत्कृष्ट प्रस्तुति की शुभकामनाएं दी हैं।

फंगस युक्त खाद्य सामग्री विक्रेता को 6 माह की सजा व जुर्माना

» मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जिला सीधी की न्यायालय का फैसला

लोकतंत्र की शानः (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। फंगसयुक्त खाद्य सामग्री विक्रेता को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जिला सीधी की न्यायालय के द्वारा 6 माह की सजा सुनाई गई है। बताया गया कि दिनांक 20 सितंबर 2019 को समय करीब 2:10 बजे खाद्य सुरक्षा अधिकारी के कार्यवाही निरीक्षण के दौरान गुरूद्वारा रोड़ स्थित सुभाष ट्रेडर्स में उपस्थित हुए, जहां मौके पर उपस्थित विक्रेता को अपना परिचय देते हुए विक्रेता का नाम पूछने पर विनाद कुमार गुप्ता पिता भैयाला गुप्ता बताया गया। जांच अधिकारी के निरीक्षण के दौरान विक्रेता द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 का खाद्य रजिस्ट्रेशन/लायसेंस पूछने पर प्राप्त है, बताया गया। जांच टीम द्वारा दुकान का निरीक्षण किया गया और निरीक्षण के दौरान समस्त प्रकार की खाद्य सामग्री तेल, मसाले, नमकीन, बिस्किट, दाले, अनाज इत्यादि बिक्री हेतु रखे पाये गये। मौके पर लकड़ी की आलमारी के रैंक में 20-25 पैकेट किशमिश और एक बोरी में काली मिर्च लगभग 25-39 किलोग्राम बिक्री हेतु रखी पायी गयी। जिन पर अवमानक एवं मिथ्याछाप की शंका होने पर नमूना लेने के उद्देश्य से फार्म नंबर 5 की दो प्रतियां नियमानुसार भरकर एक प्रति विक्रेता को दी गई एवं दूसरे प्रति में पावती प्राप्त की गई।

मौके पर टीम की उपस्थिति में उसके द्वारा नमूना हेतु किशमिश के चार पैकेट बाजार भाव 200 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से 250 ग्राम के चार पैकेट एवं काली मिर्च बाजार भाव 300 प्रति किलो की दर से 250 ग्राम के चार भाग क्रय कर 500 रूपये नगद भुगतान कर रसीद प्रापत की। फिर क्रय की सामग्री में नियमानुसार लेबल भरकर चिपकाया एवं भूरे कागज में प्रत्येक भाग को लपेटकर दोनों सिरों को चिपकाया और अभिहित अधिकारी द्वारा प्रदत्त हस्ताक्षरित पेपर स्लीप काली मिर्च एवं किशमिश को गोलाई में उपर से नीचे की ओर चिपकाकर सफेद दोहरे धगे से क्रास में बांधकर एक गांठ लगायी। तत्पश्चात उसने विक्रेता से इस प्रकार हस्ताक्षर कराया कि आधे पेपर स्लीप पर एवं आधे भू-कागज पर अंकित हुये और स्वयं भी उसने हस्ताक्षर किये। उपरोक्त की गई कार्यवाही का संक्षिप्त पंचनामा तैयार किया। अनुसंधान के दौरान जप्ती कार्यवाही की गई एवं खाद्य सुरक्षा प्रशासन जिला सीधी मप्र में अपराध क्रमांक 26/59 दर्ज किया गया। शेष संपूर्ण अनुसंधान उपरांत धारा 26(2)(आई) सहपठित धारा 59 खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 अंतर्गत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जिसके न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक आरसीटी/306/2020 में शासन की ओर से सशक्त पैरवी करते हुए सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती पूजा गोस्वामी व सुश्री आसिता मिश्रा के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वरूप मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीधी की न्यायालय के द्वारा अभियुक्त विनोद कुमार गुप्ता पिता भैयालाल गुप्ता 49 वर्ष, व्यवसाय व्यापार, निवासी गुरूद्वारा रोड़ सीधी, थाना कोतवाली सीधी, जिला-सीधी मप्र को फंगलयुक्त असुरक्षित सामग्री का विक्रय किये जाने से जिससे जन सामान्य के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा था यद्यपि किसी व्यक्ति को कोई गंभीर क्षति कारित नहीं हुई है परंतु असुरक्षित खाद्य सामग्री बेचने के परिणामों को दृष्टिगत रखते हुये अभियुक्त को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 26(2)(आई) सहपठित धारा 59 के तहत दोषसिद्धी करते हुए उक्त अपराध के लिये 6 माह के कठोर कारावास एवं 5 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

पी डब्ल्यू डी छतरपुर और सागर विभाग मे अनियमिताओं का आरोप जनता ने जांच के कार्रवाई की मांग,तेज

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पीडब्ल्यूडी विभाग चाहे जिले के कोई भी एरिया हो भ्रष्टाचार को लेकर अपने चरम सीमा पर है ठेकेदार हो यह अधिकारी हो एक दूसरे के अपने बड़े

अधिकारी मांग पूरी करते हैं जनता का पैसा खुलेआम ठेकेदारों के द्वारा लुटा जा रहा है, -उधर छतरपुर और सागर क्षेत्र के पीडब्ल्यूडी अधिकारी (c& I) और ठेकेदार की मिली भगत से हुए भ्रष्टाचार और सड़क निर्माण में भारी अनियमितताओं के मामले सामने आए मुख्यC सीपी सिंह और E आशीष भारती के द्वारा ठेकेदारों लाभ पहुंचा कर उनके माध्यमोंसे यह अपनी जेब भरते हैं शासन को नुकसान पहुंच रहे हैं जनता के पैसे का चूना लगाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं घटिया निर्माण बमनोरा -हीरापुर मार्ग बड़ा मलहरा क्षेत्र में हो रहे सड़क पैच वर्क में भारी लापरवाही उजागरहुई थी। निरीक्षण के दौरान घटिया सामग्री और बीटुमान के हाथ लगाते ही उखड़ती की पुष्टि हुई थी जिस पर जन् प्रतिनिधी मैं बड़ी आपत्ति जताई। इधर सरकारी संपत्ति घोटाला छतरपुर लोक निर्माण विभाग पी डब्ल्यू डी के हाउस आप दफ्तरी वाला वर्क में बड़ा खुलासा हुआ था यहां अधिकारी के मिली भगत से रुपए 9 करोड़ की सरकारी

बढ़ौरा शिव मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, गूंजे जयकारे

लोकतंत्र की शानः (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

क्षेत्र के प्रसिद्ध बढ़ौरा शिव मंदिर में शनिवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह 4 बजे से ही मंदिर परिसर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए भक्तों का आना-जाना लगा रहा। स्थानीय क्षेत्र के अलावा आसपास के गांवों और कस्बों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। कई

श्रद्धालु भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों में भी शामिल हुए, मंदिर के आसपास प्रसाद, पूजन सामग्री, नारियल एवं फूल-माला की दुकानों पर भी दिनभर अच्छी खासी रौनक रही। श्रद्धालुओं की आवाजाही से स्थानीय व्यापारियों के चेहरे खिले नजर आए। शनिवार को पूरे दिन बढ़ौरा शिव मंदिर में आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां भक्तों ने भगवान भोलेनाथ के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

शहरी सेवा शिविर में जिला कलेक्टर की पहल

» वर्षों पुराना नागौर जेल पट्टा प्रकरण हुआ निस्तारित

लोकतंत्र की शानः एजाज़ अहमद उस्मानी

नागौर/मेड़ता रोड : राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर परिषद नागौर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने निरीक्षण किया। शिविर के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित गतिविधियों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आमजन के कार्यों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने शिविर में लगाए गए

विभिन्न विभागों के काउंटरों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वहां उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त होने वाले प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से अध्ययन कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ें। जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के द्वार तक पहुंचाना है। शहरी सेवा शिविर इसी सोच का परिणाम हैं, जहां विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए पात्र लोगों को योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने का आह्वान किया।

वर्षों से लंबित नागौर जेल का पट्टा हुआ जारी- शिविर के दौरान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने लंबे समय से लंबित चल रहे नागौर जेल के पट्टा प्रकरण का निस्तारण करते हुए पट्टा जारी किया। इस निर्णय से वर्षों से अटके प्रशासनिक मामले का समाधान संभव हो सका, जिसे प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। जिला कलेक्टर ने कहा कि लंबे समय से लंबित मामलों का निराकरण प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे प्रकरणों के समाधान से न केवल सरकारी कार्यों में गति आती है, बल्कि आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिविर में उपस्थित नागरिकों ने प्रशासन द्वारा किए जा रहे त्वरित निस्तारण कार्यों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित से जुड़े मामलों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

गोपद नदी का सीना चीर रहे रेत माफिया, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

रातभर गरजते ट्रैक्टरों से ग्रामीण परेशान, अवैध खनन का खेल बेखौफ जारी

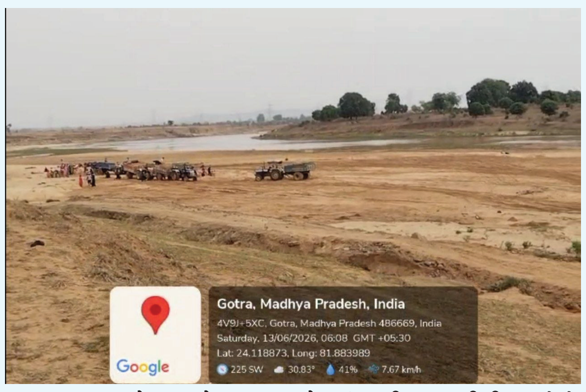

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। जिले के मड़वास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निधिपुरी में गोपद नदी का सीना चीरकर अवैध रेत उत्खनन का काला कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। हैरानी की बात यह है कि कई बार खबरें प्रकाशित होने और शिकायतें सामने आने के बावजूद प्रशासनिक कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है। नतीजतन रेत माफिया बेखौफ होकर प्राकृतिक संसाधनों की लूट में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों के अनुसार हर रात गोपद नदी के घाटों पर अवैध खनन का खेल शुरू हो जाता है। रात लगभग 11 बजे से सुबह 7 बजे तक करीब 30 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और 407 गाड़ी नदी से रेत निकालकर खुलेआम परिवहन करती देखी जा सकती हैं। रातभर वाहनों की आवाजाही और तेज शोर से गांव के लोगों का चैन छिन गया है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की नींद हराम हो चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मानो गहरी नींद में सोए हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस पैमाने पर अवैध खनन और परिवहन हो रहा है, उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं है। इसके बावजूद प्रशासन की निष्क्रियता कई सवाल खड़े कर रही है।

ट्रांसफर के बाद भी जमे हैं रिश्वतखोर कर्मचारी विभागीय कार्रवाई पर उठे रहे सवाल

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। लोकायुक्त पुलिस रीवा द्वारा रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए कर्मचारियों के खिलाफ शासन की कार्रवाई कागजों तक सीमित नजर आ रही है। गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों में ट्रैप होने के बाद जिन दो कर्मचारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण कर दिया गया था, वे दो माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक अपने मूल कार्यालय से भारमुक्त नहीं किए गए हैं। इस स्थिति ने विभागीय कार्यप्रणाली और

अधिकारियों की मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा संभाग सीधी में पदस्थ उपयंत्री अखिलेश मौर्य, उपयंत्री रामाश्रय पटेल को लोकायुक्त पुलिस रीवा ने रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया था। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद शासन ने 11 मई 2026 को आदेश जारी कर अखिलेश मौर्य को रीवा तथा रामाश्रय पटेल को शहडोल स्थानांतरित कर दिया था। हैरानी की बात यह है कि शासन के स्पष्ट आदेश के बावजूद दोनों कर्मचारी आज तक अपने कार्यालय से कार्यमुक्त नहीं हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि विभागीय स्तर पर जानबूझकर प्रक्रिया को लंबित रखा जा रहा है, जिससे संबंधित कर्मचारियों को संरक्षण मिलता रहे। यदि ऐसा नहीं है तो फिर शासन के आदेशों के पालन में इतनी देरी क्यों हो रही है, इसका जवाब जिम्मेदार अधिकारियों के पास नहीं है।

सोशल मीडिया पर गैंगस्टरों को फॉलो करने वालों पर नागौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 9 युवक गिरफ्तार

लोकतंत्र की शानः एजाज अहमद उस्मानी। नागौर/मेड़ता रोड : नागौर पुलिस ने सोशल मीडिया पर कुख्यात गैंगस्टरों को फॉलो, लाइक और शेयर कर उनके प्रभाव का प्रचार-प्रसार करने वाले युवाओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागौर आशाराम चौधरी (आरपीएस) के निर्देशों की पालना में वृताधिकारी वृत नागौर जतिन जैन (आईपीएस) के नेतृत्व में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 9 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लॉरेंस बिश्नोई, हैरी बॉक्सर, रोहित गोदारा, राजू मानजू सहित अन्य गैंगस्टरों को फॉलो कर उनकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले युवाओं की पहचान की गई थी। इसके बाद अलग-अलग पुलिस थानों की टीमों ने कार्रवाई करते हुए संबंधित युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर अपराधियों और गैंगस्टरों का महिमामंडन करने, उनकी पोस्ट को लाइक, शेयर या फॉलो करने जैसी गतिविधियां कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकती हैं तथा युवाओं को अपराध की ओर आकर्षित कर सकती हैं। इसी उद्देश्य से ऐसे खातों की निगरानी कर कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में विभिन्न थाना क्षेत्रों के युवक शामिल हैं, जिनमें पोंचूड़ी, खींवसर, मेड़तारोड, कुचेरा, श्रीबालाजी और मेड़तासिटी थाना क्षेत्र के निवासी शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी गैंगस्टर, अपराधी या असामाजिक तत्व के खातों को फॉलो, लाइक अथवा शेयर नहीं करें। ऐसा पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की अपील- "सोशल मीडिया पर लॉरेंस, हैरी बॉक्सर, रोहित गोदारा, राजू मानजू आदि गैंगस्टरों को फॉलो, लाइक एवं शेयर नहीं करें। ऐसा करने पर आपके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा सकती है।"

फरीदाबाद : टेलीग्राम टास्क के नाम पर लाखों की ठगी, दो गिरफ्तार

लोकतंत्र की शानः फरीदाबाद। टेलीग्राम टास्क के नाम पर करीब 16 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में साइबर थाना सेंट्रल पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को शनिवार अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार फरीदाबाद निवासी एक महिला ने साइबर थाना सेंट्रल में

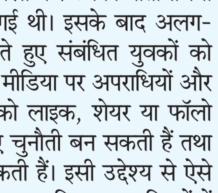

शिकायत दी थी कि 21 जून को टेलीग्राम के माध्यम से कुछ लोगों ने उससे संपर्क किया। ठगों ने उसे विबो नामक प्लेटफॉर्म पर होटलों की रेटिंग कर प्रतिदिन 5-6 हजार रुपये कमाने का लालच दिया। इसके बाद उसे एक लिंक भेजकर पंजीकरण कराया गया और बोनस के रूप में 10 हजार रुपये दिखाए गए। बाद में उसको 'पेड टास्क' करने के लिए कहा गया और टास्क के नाम पर उससे विभिन्न खातों में पैसे जमा करवाए गए। जब उसने अपनी राशि निकालने की कोशिश की तो उससे और पैसे जमा कराने की मांग की गई। आरोपितों ने झांसे में लेकर उससे कुल 16 लाख 34 हजार 521 रुपये की ठगी कर ली। शिकायत के आधार पर साइबर थाना सेंट्रल में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पंजाब के बठिंडा निवासी भूपिन्द्र सिंह तथा अर्जन सिंह को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपित अर्जन सिंह ने अपनी पत्नी का बैंक खाता भूपिन्द्र सिंह को उपलब्ध कराया था। उक्त खाते में ठगी के प्राप्त दो लाख 94 हजार रुपए आये थे, जिनको अर्जुन ने खाता से निकालकर भूपिन्द्र को दिए गए थे। वहीं भूपिन्द्र ने भी अपना बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था, जिसमें ठगी के एक लाख नौ हजार रुपये आए थे।

संक्षिप्त समाचार

चीन ने अमेरिका पर शी- ट्रंप के बीच हुए समझौतों को नज़रअंदाज़ करने का आरोप लगाया

बीजिंग। चीन ने अमेरिका पर आज आरोप लगाया कि वह हाल ही में राष्ट्रपति शी जिनपिंग एवं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच समझौता होने के बावजूद चीनी कंपनियों पर बिना किसी उचित कारण के दबाव बनाने में लगा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अमेरिकी अधिकारी बीजिंग में दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में हुए समझौतों को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं और चीनी कंपनियों पर दबाव बनाना जारी रखे हुए हैं। मंत्रालय ने कहा, "अमेरिका, बीजिंग में हुई बैठक में दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुए समझौतों और चीन-अमेरिका व्यापार व आर्थिक संबंधों की समग्र स्थिति को नज़रअंदाज़ करते हुए चीनी कंपनियों पर अनुचित रूप से दबाव बनाना जारी रखे हुए है।" सोमवार को पेंटागन ने उन संगठनों की सूची में 180 से ज़्यादा कंपनियों को शामिल करने की घोषणा की, जो अमेरिका के अनुसार चीनी सैन्य-औद्योगिक परिसर से जुड़ी हुई हैं। बयान में यह भी कहा गया कि बीजिंग इस मामले पर कड़ा विरोध जताता है और वाशिंगटन से "इस गलत प्रक्रिया को रोकने" का आह्वान भी करता है। अन्यथा, चीन निश्चित रूप से निर्णायक और प्रभावी जवाबी कदम उठाएगा और इसके नतीजों की पूरी जिम्मेदारी अमेरिकी पक्ष की होगी। गत 13-15 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन की राजकीय यात्रा की थी, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं की उपस्थिति में कई समझौते भी किये गये थे।

नेपाल में प्रशिक्षु डॉक्टरों ने श्रम अधिकार, बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

काठमांडू। नेपाल में प्रशिक्षु चिकित्सकों ने श्रम अधिकार, सेवा-सुविधाओं और कार्यस्थल की स्थिति में सुधार की मांग को लेकर शनिवार को काठमांडू के माइतीघर मंडला में प्रदर्शन किया। "जेनजी सरकार, जेनजी डॉक्टरों को न्याय दो" के नारे के साथ एकत्रित हुए चिकित्सकों ने सात सूत्री मांगपत्र सार्वजनिक करते हुए सरकार, चिकित्सा शिक्षा आयोग, नेपाल चिकित्सा परिषद तथा संबंधित निकायों का ध्यान आकर्षित कराया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि प्रशिक्षु चिकित्सकों (इंटर्न और रेजिडेंट डॉक्टरों) के लिए ड्यूटी समय को नेपाल श्रम अधिनियम-2074 के अनुसार प्रतिदिन अधिकतम 12 घंटे और सप्ताह में 72 घंटे तक सीमित किया जाए तथा सप्ताह में एक दिन अनिवार्य अवकाश सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी प्रशिक्षु महिला चिकित्सकों को कानून के अनुसार वेतन सहित मातृत्व अवकाश उपलब्ध कराने, मातृत्व अवकाश के बाद अध्ययन और प्रशिक्षण को निरंतर जारी रखने की व्यवस्था करने तथा अनुबंध और स्थायी दोनों प्रकार की महिला स्वास्थ्यकर्मियों को समान रूप से प्रसूति अवकाश देने की मांग की। प्रशिक्षु डॉक्टरों ने यह भी मांग की कि सरकार द्वारा बजट में बढ़ाए गए वेतन के अनुरूप रेजिडेंट डॉक्टरों को अधिकृत आठवें स्तर के बराबर पारिश्रमिक दिया जाए तथा सप्ताह में 48 घंटे से अधिक कार्य कराने पर श्रम कानून के अनुसार अतिरिक्त समय का भत्ता प्रदान किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इंटर्न डॉक्टर स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी कर नेपाल चिकित्सा परिषद में प्रोविजनल पंजीकरण प्राप्त चिकित्सक होते हैं, इसलिए उन्हें कम से कम अधिकृत छठे स्तर के बराबर वेतन तथा अतिरिक्त समय कार्य करने पर भत्ता मिलना चाहिए। प्रदर्शन में शामिल चिकित्सकों ने वर्तमान व्यवस्था को नवोदित डॉक्टरों के लिए अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि श्रम अधिकारों की रक्षा, उचित पारिश्रमिक, मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण और अध्ययन के अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित निकायों को तत्काल पहल करनी चाहिए।

टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने भूपेन्द्र यादव से मुलाकात की

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में मची भगदड़ के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। उनके साथ सांसद शताब्दी रॉय भी मौजूद थीं। हालांकि इस मुलाकात की आधिकारिक जानकारी अभी नहीं दी गयी है। सूत्रों ने बताया कि टीएमसी के सभी 19 बागी सांसदों की रविवार को बैठक होगी, जिसमें पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में सुदीप बंदोपाध्याय भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले भूपेंद्र यादव के आवास पर टीएमसी के 19 बागी सांसदों की बैठक हुई थी और अब सुदीप बंदोपाध्याय के भूपेंद्र यादव से मुलाकात के बाद यह माना जा रहा है कि वह भी इन बागी सांसदों में शामिल हो सकते हैं। भूपेंद्र यादव

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के प्रभारी थे। सुदीप बंदोपाध्याय कोलकाता उत्तर लोकसभा क्षेत्र से लगातार छठवीं बार के सांसद हैं। क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को टीएमसी के बागी सांसदों के दस्तखत वाली चिट्ठी सामने आई थी, जिसमें 19 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। इन सांसदों की सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात हो सकती है। उसके बाद टीएमसी को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है। इस चिट्ठी में काकोली घोष, यूसुफ पठान, सायोनी घोष, प्रसून बंदोपाध्याय, जगदीश बर्मा बसुनिया, माला रॉय, रचना बनर्जी, मिताली बैग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, पार्थ भौमिक, खलीलुर्रहमान, अरुप चकवर्ती, बापी हलदर, डॉ. शर्मिला सरकार, असित कुमार, अबू ताहिर खान और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम हैं। इससे पहले तीन जून को टीएमसी के 80 में से 58 विधायकों ने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अलग गुट के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग की थी, जिसे अध्यक्ष ने मंजूर भी कर लिया था।

पीओके में हो रहे अत्याचारों पर भारत को उठानी चाहिए आवाज : शांता कुमार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे जनआंदोलनों और वहां की जनता पर कथित दमनात्मक कार्रवाई को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पीओके से लगातार ऐसे समाचार सामने आ रहे हैं, जिनमें स्थानीय लोग पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि इन आंदोलनों को बलपूर्वक दबाने का प्रयास किया जा रहा है। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार पीओके के कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि एक स्थान पर गोलीबारी में कई लोगों की मौत होने की सूचना भी मिली है। उनके अनुसार, वहां के लोग लंबे समय से आर्थिक पिछड़ेपन, बेरोजगारी और विकास के अभाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसके कारण असंतोष बढ़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1947 में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान भारतीय सेना पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेने की दिशा में आगे बढ़ रही थी, लेकिन तत्कालीन परिस्थितियों में युद्धविराम लागू होने के कारण कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में रह गया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से पीओके को अपना अभिन्न अंग मानता रहा है और समय-समय पर इस संबंध में अपनी स्थिति स्पष्ट करता रहा है। शांता कुमार ने कहा कि पीओके में रहने वाले लगभग 50 लाख लोग भारत के नागरिक हैं और उनके साथ हो रहे कथित अत्याचारों के मुद्दे पर भारत को मुखर होकर अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने इस क्षेत्र के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते वहां के लोगों में असंतोष बढ़ा है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि पीओके में रहने वाले लोगों के अधिकारों और सुरक्षा के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियां भारत के लिए इस विषय पर अपनी स्थिति को और मजबूती से रखने का अवसर प्रदान करती हैं। शांता कुमार ने यह भी कहा कि ब्रिटेन के कुछ सांसदों द्वारा पाकिस्तान से पीओके खाली कर भारत को सौंपने की मांग किए जाने की खबरें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार की आवाजें उठ रही हैं, तो भारत को भी इस विषय पर स्पष्ट और सशक्त रुख अपनाना चाहिए।

नागपुर को 'हरित शहर' बनाने का संकल्प, 25 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य

एजेंसी, नागपुर

◆ केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा, नागपुर में विकास परियोजनाओं, रोजगार और बुनियादी ढांचे पर जोर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर शहर और जिले को 'हरित शहर' के रूप में विकसित करने के लिए 25 लाख वृक्षारोपण का एक महत्वाकांक्षी संकल्प घोषित किया है। उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत स्कूलों, विश्वविद्यालयों, स्वयंसेवी संगठनों, राजनीतिक दलों और विभिन्न सामाजिक समूहों की भागीदारी से बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और संरक्षण अभियान चलाया जाएगा। केंद्र सरकार के 12 वर्षों की कार्य उपलब्धियों के अवसर पर शनिवार को यहां एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में गडकरी ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि नागपुर स्थित रिमोट सेंसिंग सेंटर के माध्यम से राजस्व और वन विभाग के सहयोग से राज्य के सभी जिलों और तालुकों का मैपिंग किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण हुआ है, उनकी जानकारी एकत्र कर

उनका सम्मान किया जाएगा। इस दौरान महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और नागपुर जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के 60 करोड़ लाभार्थी हैं, जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 11 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किए गए हैं। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से 11 करोड़ किसानों को वार्षिक आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। रोजगार सृजन के क्षेत्र में मुद्रा योजना के तहत 57 करोड़ लाभार्थियों को लगभग 35 लाख करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है, जिससे छोटे उद्यमियों और पथ विक्रेताओं को लाभ हुआ है। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत 1.6 लाख स्टार्टअप और 118 यूनिकॉर्न बने हैं, जबकि स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत 5 करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है।

नागपुर के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए गडकरी ने शहर के प्रमुख बाजारों के आधुनिकीकरण के लिए चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी। इनमें कॉटन मार्केट पुनर्विकास परियोजना (चरण 1 और 2), इतवारी बाजार, दही बाजार, संत्रा मार्केट, नेताजी मार्केट, कमाल चौक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, बुधवार बाजार, महाल पुनर्विकास परियोजना और सक्करदरा बुधवार बाजार पुनर्विकास परियोजना शामिल हैं। इसके अलावा दाभा स्थित एग्रो कन्वेंशन सेंटर, सोक्ता भवन पुनर्विकास, मोर भवन और गणेशपेठ बस स्टैंड पुनर्विकास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएँ भी चल रही हैं। नागपुर मेट्रो के दूसरे चरण का कार्य जारी है और तीसरे चरण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। नागपुर में ऑक्सीजन पार्क, बर्ड पार्क, एम्स, आयआयएम, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, ट्रिपल आईटी, बुटीबोरी स्थित कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बौद्ध सर्किट योजना, दीक्षाभूमि पुनर्विकास परियोजना, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया केंद्र और मदर डेयरी परियोजना जैसी विभिन्न विकास योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

असम में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए सीधे आधार नहीं: डॉ. हिमंत बिस्व सरमा

एजेंसी, गुवाहाटी

अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड लेने से रोकने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, असम कैबिनेट ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रेगुलर एनरोलमेंट प्रोसेस के ज़रिए आधार कार्ड जारी करना बंद करने का फ़ैसला किया है। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। नई सरकार की शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य सरकार यह पक्का करना चाहती है कि कोई भी अवैध प्रवासी आधार एनरोलमेंट सिस्टम का फ़ायदा न उठा सके।

नई पॉलिसी के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। ऐसे मामलों में, संबंधित डिप्टी कमिश्नर को सरकार को एक प्रस्ताव भेजना होगा, जो कार्ड जारी करने पर अंतिम फ़ैसला लेगी। मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि इस कदम का मकसद आधार एनरोलमेंट प्रोसेस में कमियों और गड़बड़ियों को रोकना है, साथ ही यह पक्का करना है कि असली भारतीय नागरिक इस दस्तावेज़ से वंचित न रहें।

कैबिनेट ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदाय के सदस्यों के लिए भी छूट दी है, जो मार्च 2027 तक आधार एनरोलमेंट के लिए पात्र बने रहेंगे। राज्य सरकार के अनुसार, यह फ़ैसला पहचान की पुष्टि करने वाले सिस्टम को मज़बूत करने और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों द्वारा धोखाधड़ी से आधार कार्ड हासिल करने पर रोक लगाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। अधिकारियों ने कहा कि मकसद एनरोलमेंट प्रोसेस को और मज़बूत बनाना और यह पक्का करना है कि आधार कार्ड सही जांच-पड़ताल के बाद ही जारी किया जाए।

मणिपुर के काकचिंग में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और मिलिट्री-ग्रेड का सामान बरामद

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर के काकचिंग ज़िले में एक अभियान के दौरान असम राइफल्स और थौबल पुलिस कमांडो ने भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और मिलिट्री-ग्रेड का सामान बरामद किया। इससे इलाके में सक्रिय विद्रोही नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने शनिवार को आधिकारिक बयान में बताया कि यह अभियान खास खुफिया जानकारी के आधार पर काकचिंग ज़िले के पूर्णाहितुपोकपी इलाके में चलाया गया। सुरक्षा बलों ने अमेरिका में बनी .32 पिस्तौल और उसके चार राउंड कारतूस, दो सिंगल-बैरल ब्रीच-लोडिंग (एसबीबीएल) बंदूकें और दो डेटोनेटर शामिल थे। बरामद गोला-बारूद में एके-सीरीज़ के 17 राउंड, एसएलआर के 18 राउंड, .303 के 29 राउंड और इंसास के तीन राउंड शामिल थे। सुरक्षा कर्मियों ने एक स्ट्राइकर स्प्रिंग, दो टियर

स्मोक शेल, केसीपी लोगो वाले 12 स्टिकर और एक बाइपॉड भी बरामद किया। इसके अलावा, संयुक्त टीम ने बड़ी मात्रा में मिलिट्री का सामान भी बरामद किया, जिसमें 12 बुलेटप्रूफ प्लेट, दो बुलेटप्रूफ फाइबर प्लेट, दो हेलमेट और एक बुलेटप्रूफ जैकेट शामिल हैं। वहीं 60 कॉम्बैट शर्ट, 57 कॉम्बैट पैंट, दो कॉम्बैट जैकेट, 18 कॉम्बैट कैप, आठ जोड़ी कॉम्बैट जूते, 23 कॉम्बैट बेल्ट और एक एमपी-5 स्लिंग भी शामिल थी। अधिकारियों ने कहा कि यह बरामदगी संघर्ष से प्रभावित राज्य में विद्रोही गतिविधियों को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चल रही कोशिशों में एक बड़ी कामयाबी है।

मप्र के इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश

एजेंसी, इंदौर

मध्य प्रदेश के स्वच्छता के प्रतीक शहर इंदौर में आयोजित पांच दिवसीय ब्रिक्स देशों के उच्च स्तरीय कृषि सम्मेलन के अंतिम दिन शनिवार को ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने शहर के मेघदूत उपवन में विकसित "ब्रिक्स वाटिका" में फलदार पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में विदेशी मेहमनों ने पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भागीरथ चौधरी, मप्र के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक रमेश मेंदोला सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि

इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि समूह की बैठक अत्यंत सार्थक रही। इंदौर के स्नेह, प्रेम और आत्मीयता ने सभी प्रतिनिधियों को गदगद कर दिया। इन स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए इंदौर में 'ब्रिक्स वाटिका' स्थापित की गई है, जहां आज ब्रिक्स देशों से पधारे गणमान्य कृषि मंत्रियों, प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों और बाकी साथियों के साथ आज मैंने भी पौधरोपण किया। यह वाटिका स्नेह, सद्भाव, मैत्री और प्रेम का प्रतीक बनेगी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स वाटिका में लगाए गए पौधे न केवल अपने साथ बिक्स सम्मेलन की स्मृतियों को सहेजे रहेंगे, अपितु इस मूल्यवान क्षण को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए दुनिया को पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देंगे और दुनिया को हमारे उन मूल्यों से भी अवगत कराएंगे, जिनमें हम विश्वास करते हैं- जैसे टकराव के बजाय सामंजस्य, युद्ध के बजाय शांति और नफरत के बजाय प्रेम।

उन्होंने कहा कि यह अभियान एक हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जो घोषणा-पत्र अपनाया जाएगा, उसे 'इंदौर घोषणा' के नाम से जाना जाएगा। यह वैश्विक कृषि सहयोग को मजबूत करने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति को दर्शाता है।

उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि मेघदूत उपवन में विकसित ब्रिक्स वाटिका अंतरराष्ट्रीय मित्रता, पर्यावरणीय प्रतिबद्धता और सतत विकास के साझा संकल्प का प्रतीक बनेगी। उन्होंने बताया कि प्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान विकसित ग्लोबल गार्डन और यूरेशियन कॉन्फ्रेंस के समय बनाए गए यूरेशिया गार्डन की तर्ज पर अब ब्रिक्स वाटिका तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि उपवन परिसर में "ब्रिक्स इंडिया" थीम आधारित आकर्षक आइलैंड बनाया गया है। इसके साथ ही गुलाब उद्यान, संगीतमय फाउंटेन, कमल थीम सजावट, लैंडस्केपिंग और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य भी किए गए हैं। सम्मेलन में शामिल सभी ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय ध्वज भी परिसर में लगाए गए हैं, जिससे पूरा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक विविधता और सहयोग का प्रतीक बन गया है।

बीएसएफ की फायरिंग में बांग्लादेशी तस्कर ढेर, त्रिपुरा के लतियापुरा सीमा पर तनाव

एजेंसी, कैलाशहर (त्रिपुरा)

भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बांग्लादेशी तस्कर मारा गया। उन्नकोटी जिले के कैलाशहर सब डिवीजन के ईरानी पुलिस स्टेशन के तहत लतियापुरा सीमा पर तस्करी रोकने की कोशिश में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की फायरिंग में बांग्लादेशी तस्कर की मौत हो गई। शुक्रवार देर शाम अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हुई इस घटना से सीमा पार सनसनी फैल गई है। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने शुक्रवार शाम 5:45 बजे से 6:15 बजे के बीच लतियापुरा बीएओपी एरिया के सीमा पिलर नंबर 1852/14-एस से सटे इलाके में संदिग्ध गतिविधियां देखीं। आरोप है कि 10 से 12 लोगों का बांग्लादेशी तस्कर गिरोह बड़ी मात्रा में बर्मीज (म्यांमार) सिगरेट लेकर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने

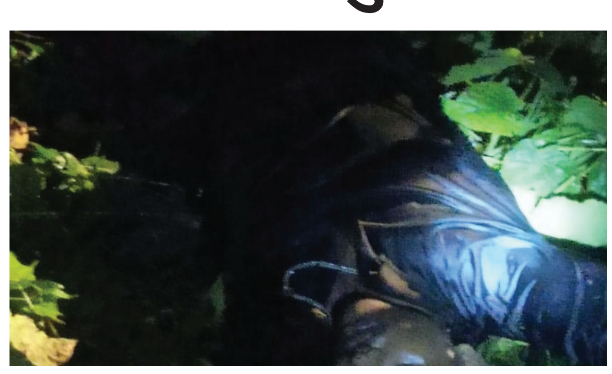

की कोशिश कर रहा था।

ड्यूटी पर मौजूद बीएसएफ जवानों ने पहले तस्करों को रुकने का निर्देश दिया। बीसीएफ ने दावा किया कि कई बार चेतावनी के बावजूद उन्होंने चेतावनी को नज़रअंदाज़ किया और तेज़ी से आगे बढ़ते रहे। हालात काबू से बाहर होता देख जवानों ने दो राउंड फायरिंग की। गोली लगने से एक बांग्लादेशी आरोपित की मौके पर ही मौत हो गई जिसकी पहचान माजिद अली (30) के तौर पर हुई है। उसका घर बांग्लादेश के मौलवीबाजार जिले के कुलौरा पुलिस स्टेशन के निश्चिंतपुर गांव में है। उसके पिता का नाम अज़ीब अली है। घटना के बाद बीसीएफ ने सीमा क्षेत्र में बड़ा अभियान शुरू किया है। संभावित तनाव और घुसपैठ की आशंका के चलते पूरे इलाके में सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है। घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सीमा क्षेत्र में बर्मीज सिगरेट समेत कई तरह के प्रोडक्ट्स की तस्करी को लेकर लंबे समय से चिंता बनी हुई थी। सीमा पर रहने वालों का मानना है कि आज की घटना ने तस्करी गैंग के एक्टिव होने की बात फिर से सामने ला दी है। हालांकि, इस घटना के बारे में अभी तक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की तरफ से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है। पता चला है कि बीसीएफ और संबंधित एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारी इस घटना पर पूरी रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। सीमा पर तस्करी रोकने के लिए बीएसएफ की इस सख्त कार्रवाई ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर सिक्योरिटी पर एक नई चर्चा छेड़ दी है।

तमिलनाडु सरकार ने सिंचाई के लिए बांधों से पानी छोड़ने का लिया निर्णय

एजेंसी, तूतीकोरिन

◆ तिरुनेलवेली और तूतीकोरिन के किसानों को राहत

तमिलनाडु सरकार ने खरीफ सीजन की खेती को ध्यान में रखते हुए तिरुनेलवेली और तूतीकोरिन जिलों के किसानों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार ने पापनासम, सर्वलार और मणिमुथार जलाशयों से सिंचाई के लिए पानी छोड़ने का निर्णय लिया है। इस फैसले से हजारों किसानों को समय पर सिंचाई जल उपलब्ध होगा और क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

राज्य सरकार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तामिरपरणी सिंचाई क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विभिन्न नहर प्रणालियों के माध्यम से 15 जून से 13 अक्टूबर तक कुल 121 दिनों के लिए सिंचाई जल उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवधि में चरणबद्ध तरीके से पानी छोड़ा जाएगा, ताकि किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप सिंचाई व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की जा सके।

सरकारी आदेश के तहत तिरुनेलवेली जिले की उत्तर कोडई मेलअझगियान नहर, कन्नडियन नहर, कोडगन नहर, पालायम नहर और नेल्लै नहर समेत कई प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को जलापूर्ति की जाएगी। वहीं तूतीकोरिन जिले में तामिरपरणी नदी के निचले हिस्से में स्थित मरुदूर मेलक्काल्वाई, थेनकाल्वाई और वडक्काल्वाई सहित कुल नौ नहर प्रणालियों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाया जाएगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि जलाशयों में उपलब्ध जल भंडार को ध्यान में रखते हुए अधिकतम 6,086.83 मिलियन घन फुट पानी ही छोड़ा जाएगा।

नई शिक्षा नीति से खेल और शिक्षा को मिल रही नई दिशा : धर्मेन्द्र प्रधान

एजेंसी, भोपाल

◆ केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भोपाल में शूटिंग अकादमी का भ्रमण कर खिलाड़ियों से किया संवाद, कहा- ओलंपिक और विकसित भारत 2047 का लक्ष्य

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के माध्यम से खेल और शारीरिक शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। अब विद्यार्थियों को खेल और पढ़ाई में से किसी एक का चयन करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि दोनों क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री प्रधान शनिवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में खेल अकादियों का भ्रमण के दौरान खिलाड़ियों से संवाद कर रहे थे। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के साथ शूटिंग अकादमी का दौरा किया और खिलाड़ियों से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल डिग्री आधारित शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें कौशल, खेल और नवाचार से जोड़ने का कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए विशेष कोर्स वर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे खेल गतिविधियों और शैक्षणिक उपलब्धियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

एपीएआर आईडी से जुड़ेंगी खिलाड़ियों की उपलब्धियां: केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि एपीएआर (अपार) आईडी के माध्यम से विद्यार्थियों और

खिलाड़ियों की शैक्षणिक तथा खेल संबंधी उपलब्धियों को एक मंच पर जोड़ा जाएगा। इससे उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों का समग्र रिकॉर्ड तैयार होगा, जो भविष्य में शिक्षा और करियर दोनों क्षेत्रों में लाभकारी साबित होगा। उन्होंने बताया कि इंटर-स्पोर्ट्स गतिविधियों को क्रेडिट स्कोर से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, ताकि खेलों में सक्रिय भागीदारी को भी अकादमिक मूल्यांकन का हिस्सा बनाया जा सके।

आईआईटी सहित उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ रहा खेलों का महत्व: केन्द्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पहली बार आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी स्पोर्ट्स कोटा की व्यवस्था की गई है। यह कदम खेल प्रतिभाओं को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने और खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

036 ओलंपिक और विकसित भारत 2047 का संकल्पः केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले 20 वर्षों में भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना है। उन्होंने 2036 ओलंपिक को देश का महत्वपूर्ण लक्ष्य बताते हुए कहा कि खेलों के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए "विकसित भारत 2047" के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। जब देश स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब भारत को विकसित राष्ट्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र और विश्व की अग्रणी महाशक्ति के रूप में स्थापित करना हमारा सामूहिक लक्ष्य होगा।

मंत्री सारंग ने दी शूटिंग अकादमी की जानकारीः केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान को खेल मंत्री सारंग ने मध्य प्रदेश की खेल उपलब्धियों एवं राज्य शूटिंग अकादमी की विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भोपाल स्थित शूटिंग अकादमी देश की ही नहीं बल्कि विश्वस्तरीय खेल अकादमियों में शामिल है। यहां अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

गृहिणियाँ @ गृहिणी नहीं,राष्ट्र निर्माता,नेशन बिल्डर: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला- अवैतनिक घरेलू श्रम को मिली कानूनी मान्यता

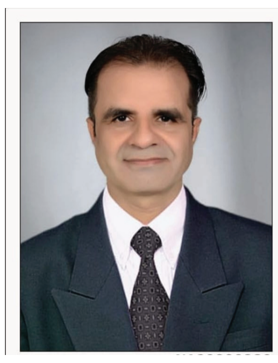

लोकतंत्र की शान

> » भारतीय न्यायिक इतिहास में महिलाओं के अवैतनिक घरेलू श्रम को कानूनी, आर्थिक और सामाजिक मान्यता देने वाला एक मील का पत्थर है
>
> » गृहिणियों को केवल होममेकर नहीं बल्कि नेशन बिल्डर अर्थात राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देकर भारतीय न्यायिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारतीय समाज में सदियों से गृहिणी को परिवार की धुरी माना जाता रहा है,किंतु विडंबना यह है कि जिस महिला के श्रम पर पूरा परिवार, समाज और अंततः राष्ट्र की सामाजिक संरचना टिकी होती है,उसी के कार्य को आर्थिक दृष्टि से कभी उचित मान्यता नहीं मिल सकी। घर की सफाई,भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की देखभाल,परिवार के स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन को बनाए रखना,घरेलू वित्तीय प्रबंधन करना तथा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकताओं का ध्यान रखना ऐसे कार्य हैं जो किसी भी पेशेवर सेवा से कम नहीं हैं। इसके बावजूद इन कार्यों को काम के बजाय कर्तव्य या पारिवारिक जिम्मेदारी मान लिया गया। परिणामस्वरूप करोड़ों महिलाओं द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू श्रम को राष्ट्रीय आय,सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तथा आर्थिक उत्पादकता के पारंपरिक मापदंडों में स्थान नहीं मिल पाया।आधुनिक डिजिटल और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था में भी किसी व्यक्ति के योगदान कामूल्यांकन प्रायः उसके वेतन,आयकर या बैंक खाते में आने वाली आय से किया जाता है,जबकि गृहिणी का श्रम अदृश्य रह जाता है।यही कारण है कि लंबे समय से महिला अधिकार संगठनों, अर्थशास्त्रियों और समाज शास्त्रियों द्वारा यह मांग उठाई जाती रही है कि घरेलू कार्य को आर्थिक मूल्य दिया जाए और गृहिणियों के योगदान को औपचारिक मान्यता प्रदान की जाए। इसी व्यापक सामाजिक और संवैधानिक पृष्ठभूमि में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 जून 2026 को, यह निर्णय एसएलपी (सिविल) नंबर 33915 of 2025 से उत्पन्न 2026 आईएनएससी 634 के रूपमें एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय दिया है जिसने गृहिणियों को केवल होममेकर नहीं बल्कि नेशन बिल्डरअर्थात राष्ट्रनिर्माता की संज्ञा देकर भारतीय न्यायिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह निर्णय केवल मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज की उस सोच को चुनौती देता है जो महिलाओं के घरेलू श्रम को कमतर आंकती रही है। साथियों यह ऐतिहासिक निर्णय शिशुपाल @ शिशराम & अदर्स वर्सेज सुरजीत एंड अदर्स मामलेमें 11 जून 2026 को सुनाया गया। यह मामला वर्ष 2001 में पंजाब में हुई एक सड़क दुर्घटना से संबंधित था, जिसमें एक गृहिणी की मृत्यु हो गई थी। मृतका के परिवार ने मुआवजे की राशि को अपर्याप्त बताते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अंततः मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा। मामले की सुनवाई जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन . कोटिश्वर सिंह की द्वि-न्यायाधीशीय पीठ ने की। यह निर्णय एसएलपी (सिविल) नंबर . 33915 of 2025 से उत्पन्न 2026 आईएनएससी 634 के रूप में दर्ज है। न्यायालय ने न केवल मुआवजे को बढ़ाकर लगभग 62.77 लाख रूपए कर दिया बल्कि गृहिणियों के आर्थिक योगदान पर भी व्यापक टिप्पणियां कीं।अपने निर्णय में न्यायालय ने अत्यंत महत्वपूर्ण शब्दों में कहा कि गृहिणियां परिवार मेंयोगदान देती हैं। वे राष्ट्र निर्माता हैं। वे राष्ट्र का निर्माण करती हैं। उनके योगदान का मूल्यांकन और मौद्रिक आकलन कैसे किया जाए, यही चुनौती है। न्यायालय ने यह भी आशा व्यक्त की कि अब होममेकर शब्द को नेशन बिल्डरके रूप में देखा जाएगा। यह टिप्पणी केवल एक भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक गहरी संवैधानिक और सामाजिक सोच थी। न्यायालय ने स्वीकार किया कि जिस महिला के श्रम के कारण परिवार का प्रत्येक सदस्य अपनी शिक्षा, रोजगार और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर पाता है, उसका योगदान राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। साथियों इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणी के अवैतनिक घरेलू श्रम कान्यूनतम आर्थिक मूल्य निर्धारित करते हुए कहा कि किसी दुर्घटना दावों में मुआवजा निर्धारित करने के लिए गृहिणी की काल्पनिक मासिक आय (नोशनल मंथली इनकम) कम से कम 30,000 रूपए प्रति माह मानी जाएगी। भारतीय न्यायिक इतिहास में पहली बार सर्वोच्च न्यायालय ने इतनी स्पष्टता के साथ गृहिणी के श्रम को मौद्रिक मूल्य प्रदान किया है। न्यायालय ने माना कि यदि वही कार्य बाजार से खरीदे जाएं तो उनके लिए रसोइया, देखभालकर्ता, शिक्षक, घरेलू प्रबंधक और परामर्शदाता जैसी अनेक सेवाओं का भुगतान करना पड़ेगा। इसलिए यह कहना कि गृहिणी आय अर्जित नहीं करती,वास्तविकता के विपरीत है। साथियों, न्यायालय ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लॉस ऑफ़ डोमेस्टिक केयर अर्थात घरेलू देखभाल की हानि को मुआवजे की एक स्वतंत्र श्रेणी के रूप में मान्यता दी। पहले मोटर दुर्घटना मामलों में मुख्य रूप से आय की हानि, आश्रितों की हानि, चिकित्सा व्यय और अन्य पारंपरिक मदों के आधार पर मुआवजा निर्धारित किया जाता था।लेकिन गृहिणियों के मामले में यह व्यवस्था अपर्याप्त थी क्योंकि उनकी कोई प्रत्यक्ष वेतन आय नहीं होती। न्यायालय ने कहा कि परिवार को मिलने वाली घरेलू देखभाल, बच्चों की परवरिश, पति-पत्नी के पारस्परिक सहयोग तथा परिवार के भावनात्मक और सामाजिक प्रबंधन का भी आर्थिक मूल्य है। इसलिए इसे अलग श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए। साथियों, निर्णय की सबसे प्रभावशाली टिप्पणियों में से एक यह थी कि गृहिणी को डिपेंडेंट अर्थात आश्रित कहना विडंबनापूर्ण है। न्यायालय ने कहा कि वास्तव में पूरा परिवार गृहिणी पर निर्भर रहता है। भारतीय न्यायिक विमर्श में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण दृष्टिकोण परिवर्तन है। पारंपरिक रूप से आय अर्जित करने वाले व्यक्ति को परिवार का मुख्य आधार माना जाता रहा है, जबकि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि घर की व्यवस्था,बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की देखभाल और सामाजिक स्थिरता का वास्तविक आधार गृहिणी होती है। इसलिए उसे केवल आश्रित के रूप में देखना उसकी भूमिका को कम करके आंकना है।सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी माना कि महिलाओं का अवैतनिक श्रम भारतीय अर्थव्यवस्था की अदृश्य नींव है। न्यायालय ने पितृसत्तात्मक सोच की आलोचना करते हुए कहा कि लंबे समय से घरेलू कार्य को वास्तविक काम नहीं माना गया, जबकि यह समाज के पुनरुत्पादन और मानव संसाधन निर्माण की मूल प्रक्रिया है।बच्चे का पालन- पोषण, बुजुर्गों की देखभाल,भोजन तैयार करना,परिवार का भावनात्मक संतुलन बनाए रखना और सामाजिक मूल्यों का हस्तांतरण, ये सभी कार्य आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। यदि ये कार्य न हों तो श्रम बाजार, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संरचना गंभीर रूप से सटीकता से प्रभावित हो जाएगी। साथियों, इस निर्णय का महत्व केवल मुआवजा कानून तक सीमित नहीं है। यह भारतीय समाज को यह संदेश देता है कि महिलाओं का घरेलू श्रम किसी वेतनभोगी नौकरी से कम नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वर्षों से अनपेड केयर इकॉनमी और केयर वर्क को मान्यता देने की मांग उठती रही है। संयुक्त राष्ट्र और अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने बार-बार कहा है कि महिलाओं का अवैतनिक श्रम आर्थिक विकास का आधार है, लेकिन राष्ट्रीय लेखांकन प्रणालियों में इसे पर्याप्त स्थान नहीं मिला है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय उसी वैश्विक विमर्श के अनुरूप दिखाई देता है। इस फैसले का एक महत्वपूर्ण कानूनी प्रभाव यह होगा कि भविष्य में मोटर वाहन दुर्घटना मामलों में गृहिणियों के लिए दिए जाने वाले मुआवजे की गणना का तरीका बदल जाएगा। अब बीमा कंपनियां और न्यायाधिकरण गृहिणी के योगदान को केवल सांकेतिक रूप से नहीं आंक सकेंगे। इसके बजाय उन्हें न्यायालय द्वारा निर्धारित सिद्धांतों का पालन करना होगा। इससे हजारों परिवारों को अधिक न्यायसंगत मुआवजा मिलने की संभावना है। साथियों, सामाजिक दृष्टि से भी यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय से यह धारणा बनी हुई थी कि परिवार का आर्थिक योगदान केवल वही व्यक्ति करता है जो घर से बाहर जाकर वेतन अर्जित करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस सोच को चुनौती देते हुए स्पष्ट कर दिया कि घरेलू श्रम भी आर्थिक मूल्य रखता है। यह निर्णय महिलाओं के सम्मान, आत्मसम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला है। यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल कारखानों, कार्यालयों और संस्थानों में नहीं होता, बल्कि घरों में भी होता है जहां गृहिणियां आने वाली पीढ़ियों का निर्माण करती हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 11 जून 2026 को यह निर्णय एसएलपी (सिविल) नंबर .33915 of 2025 से उत्पन्न 2026 आईएनएससी 634 के रूपमें एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय दिया है जिसने गृहिणियों को केवल होममेकर नहीं बल्कि नेशन बिल्डरअर्थात राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देकर भारतीय न्यायिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।भारतीय न्यायिक इतिहास में महिलाओं के अवैतनिक घरेलू श्रम को कानूनी,आर्थिक और सामाजिक मान्यता देने वाला एक मील का पत्थर है। शिशुपाल @ शिशराम वर्सेज सुरजीत मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गृहिणियां राष्ट्र निर्माता हैं, उनकी सेवाओं का आर्थिक मूल्य है, उन्हें आश्रित नहीं माना जा सकता और उनके घरेलू श्रम की न्यूनतम कीमत 30,000 रूपए प्रतिमाह आंकी जानी चाहिए। यह फैसला केवल एक मुआवजा विवाद का निपटारा नहीं है; यह भारतीय समाज को महिलाओं की भूमिका को नए दृष्टिकोण से देखने का संदेश देता है। आने वाले वर्षों में यह निर्णय संपत्ति अधिकार, भरण-पोषण, सामाजिक सुरक्षा, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण से जुड़े अनेक मामलों में एक महत्वपूर्ण न्यायिक संदर्भ के रूप में उद्धृत किया जा सकता है। वास्तव में यह फैसला गृहिणी को घर संभालने वाली महिला से आगे बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण की साझेदार के रूप में स्थापित करता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का विकल्प?

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने और उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से तत्काल राहत न मिलने के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या उनके पास अब भी कोई कानूनी विकल्प बचा है। इसका उत्तर है— हाँ, चुनाव याचिका का विकल्प अभी भी उपलब्ध हो सकता है, लेकिन वह चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 329 स्पष्ट करता है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान अदालतें सामान्यतः हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। चुनाव की वैधता को चुनौती देने का उचित माध्यम चुनाव संपन्न होने के बाद चुनाव याचिका होती है। इसी संवैधानिक प्रावधान का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर तत्काल हस्तक्षेप से इनकार किया। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह मामला केवल एक उम्मीदवार के नामांकन का नहीं रह गया है। कांग्रेस इसे चुनावी निष्पक्षता और लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रश्न बना रही है, जबकि चुनाव आयोग और सत्तापक्ष इसे चुनावी नियमों के पालन का मामला बता रहे हैं। यदि मीनाक्षी नटराजन चुनाव याचिका दायर करती हैं और अदालत यह पाती है कि नामांकन निरस्त करने में कानूनी त्रुटि हुई थी, तो इससे चुनाव परिणाम और निर्वाचन प्रक्रिया दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े हो सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और राजनीतिक दलों के बीच संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। चुनाव याचिका का प्रावधान इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए बनाया गया था, ताकि चुनाव प्रक्रिया बाधित न हो और साथ ही किसी भी कथित अन्याय की न्यायिक समीक्षा भी संभव रहे कांग्रेस के लिए यह मामला राजनीतिक संघर्ष का प्रतीक बन चुका है। यदि चुनाव याचिका दाखिल होती है, तो यह केवल कानूनी लड़ाई नहीं होगी, बल्कि चुनावी पारदर्शिता और संस्थागत विश्वसनीयता पर भी व्यापक बहस को जन्म दे सकती है। दूसरी ओर, यदि न्यायालय चुनाव आयोग के निर्णय को सही ठहराता है, तो यह चुनावी नियमों के कठोर अनुपालन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाएगा। मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का रास्ता मौजूद है, लेकिन उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह यह साबित कर पाती हैं या नहीं कि उनका नामांकन कानून के विपरीत या मनमाने ढंग से निरस्त किया गया था। यही कारण है कि यह मामला आने वाले समय में भारतीय चुनावी न्यायशास्त्र की एक महत्वपूर्ण कसौटी बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन को रद्द करने वाले रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश में दखल देने से सीधे तौर पर इनकार कर दिया। जस्टिस पीके मिश्र और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने फैसला सुनाया कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र खारिज होने को चुनौती देने वाली मीनाक्षी नटराजन की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार जब रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से किसी उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया जाता है, तो इसके समाधान के लिए केवल चुनाव आयोग के पास जाना ही एकमात्र उपाय है। अदालत ने मीनाक्षी नटराजन के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा, निर्णय चाहे कितना भी गलत क्यों न हो, एक बार नामांकन खारिज हो जाने के बाद, इसका उपाय आमतौर पर कहीं और होता है। क्या इस न्यायालय का कोई ऐसा निर्णय है जहां हमने इस स्तर पर हस्तक्षेप किया हो?।सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन के मामले में स्पष्ट कर दिया कि चुनाव से जुड़े मामलों पर रिट याचिका के माध्यम से कोई राहत नहीं दी जा सकती। सिर्फ सांविधानिक मामलों में ही रिट याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट आया जा सकता है।

मीनाक्षी नटराजन का मामला क्या है?- मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म 26 में तेलंगाना के एक आपराधिक मामले का खुलासा न करने के कारण रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से खारिज किया गया। उनके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में यह तर्क दिया कि जिस मामले का खुलासा नहीं किया गया उसमें केवल नोटिस जारी हुए थे और जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत नामांकन को गलत तरीके से खारिज किया गया है, लेकिन न्यायालय ने इस स्तर पर कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं : सुरक्षित रक्त से मजबूत समाज की ओर

लेखक - कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम "मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।" इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है। रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है। इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है। रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है। आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके। डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है। स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके। सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कठोर पालन किया जाना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक रक्त सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी समय की मांग है। जब तक हर व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध नहीं होगा तब तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य अधूरा रहेगा। सामाजिक संगठनों धार्मिक संस्थाओं उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस अभियान से जुड़ना चाहिए। यदि प्रत्येक संस्था वर्ष में कुछ रक्तदान शिविर आयोजित करे और अपने सदस्यों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करे तो देश में रक्त की उपलब्धता कई गुना बढ़ सकती है। रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा। विश्व रक्तदाता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी ताकत परस्पर सहयोग में निहित है। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है तब वह केवल रक्त नहीं देता बल्कि किसी परिवार को उम्मीद देता है किसी मां को उसका बेटा लौटाता है किसी बच्चे को भविष्य देता है और किसी मरीज को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि रक्तदान को महादान कहा जाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रक्तदान को उत्सव नहीं बल्कि आदत बनाएं। यदि प्रत्येक सक्षम नागरिक वर्ष में एक या दो बार भी स्वेच्छा से रक्तदान करे तो भारत न केवल अपनी रक्त आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि सुरक्षित रक्त उपलब्धता के क्षेत्र में दुनिया के लिए उदाहरण बन सकता है। विश्व रक्तदाता दिवस 2026 का संदेश स्पष्ट है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

लेखक- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है। हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है। सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026

पहले मैच में ही बने 351 रन

- टूटते-टूटते बचा भारत का 8 साल पुराना रिकॉर्ड, डैनियल वायट ने जड़ा शतक

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बेहतरीन आगाज हो गया है। टूर्नामेंट का पहला मैच 12 जून को मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच बर्मिंघम में खेला गया। इस मैच में कुल 351 रन बने। यह महिला टी20 विश्व कप के एक मैच का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। जबकि मात्र 3 रन से भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2018 में हुए मुकाबले का रिकॉर्ड टूटते-टूटते

बचा। इस मुकाबले में इंग्लैंड के लिए डैनियल वायट हॉज ने बेहतरीन शतक जड़ा। इंग्लैंड की महिला टीम ने विश्व कप का आगाज जीत के साथ किया है। मेजबान टीम ने श्रीलंका को पहले मुकाबले में 87 रन से हराया और बेहतरीन जीत दर्ज की। इस मैच में पहले खेलते हु इंग्लिश टीम ने 20 ओवर में मात्र 1 विकेट खोकर 219 रन बनाए। ओपनर डैनियल वायट हॉज ने 62 गेंद पर नाबाद रहते हुए 105 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 13 चौके और एक छक्का लगाया। महिला टी20 विश्व कप में वह शतक लगाने वाली 7वीं खिलाड़ी बनीं। वायट के अलावा दूसरी ओपनर एमी जोन्स ने 38 गेंद पर 53 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान नेट साइवर ब्रंट 22 गेंद पर 46 रन बनाकर नाबाद रहीं। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 20 ओवर में 132 रन बनाकर सिमट गई। फ्रेया कैम्प ने बेहतरीन विश्व कप डेब्यू किया और 22 रन देकर चार विकेट झटके। उनके अलावा शार्लेट डीन और सोफी एक्लेस्टोन को 2-2 विकेट मिले। जबकि लॉरेन बेल और लिंसी स्मिथ ने 1-1 विकेट झटका। इस मैच में कुल 351 रन बने।

● महिला टी20 विश्व कप: पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का पलड़ा भारी

भारत-पाक फिर आमने-सामने

भारत बनाम पाकिस्तान का रिकॉर्ड?

भारत और पाकिस्तान के बीच अभी तक कुल 16 महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से टीम इंडिया ने 13 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान की टीम सिर्फ तीन बार ही जीत पाई है। इस लिहाज से महिला टीम इंडिया का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

बर्मिंघम (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। विश्व क्रिकेट में चर्चित मुकाबनों में से एक भारत-पाकिस्तान महिला विश्व कप में आज फिर एक।दूसरे के आमने-सामने होंगे। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम पाकिस्तान पर हावी रही है। टी20 इंटरनेशनल में भारत और पाकिस्तान की अब तक कुल 16 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 13 मुकाबलों में जीत भारतीय टीम के हाथ लगी है। सिर्फ 3 मुकाबलों में ही पाकिस्तान की टीम जीत दर्ज कर सकी है। भारतीय टीम रविवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में अपने दमदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम और पाकिस्तान की आखिरी भिड़ंत साल 2024 में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हुई थी, जहां भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में टीम इंडिया को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी से धमाकेदार प्रदर्शन की आस होगी। दोनों को ही इंग्लैंड की परिस्थितियां काफी रास आती है। मंधाना ने पाकिस्तान के खिलाफ खेली 10 पारियों में 239 रन बनाए हैं। वहीं, शेफाली ने 4 मुकाबलों में 121 रन बनाए हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर की फॉर्म भारतीय टीम के लिहाज से इस मुकाबले और विश्व कप में काफी अहम होगी। जेमिमा रोड्रिग्स के ऊपर मध्यक्रम को संभालने की जिम्मेदारी होगी। वहीं, फिनिशर के तौर पर भारतीय टीम ऋचा घोष से एक बार फिर धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। गेंदबाजी में रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ नई गेंद से पाकिस्तान की बल्लेबाजों की अग्निपरीक्षा लेंगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस महामुकाबले में भारतीय टीम युवा तेज गेंदबाज नंदिनी

शर्मा को मौका देती है या नहीं। वहीं, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी अपनी स्पिन गेंदबाजी से कमाल दिखा सकती हैं।

भारत पाकिस्तान स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनलों पर होगा

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबले का लाइव टेलीकास्ट स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के विभिन्न चैनलों पर होगा। जबकि इस मैच की ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग जियोस्टार ऐप पर होगी।

भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के टी20 वर्ल्ड कप स्क्वाड

भारतीय महिला टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, श्रेयांका पाटिल, श्री चरणी, क्रांति गौड़, नंदिनी शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी।

पाकिस्तान महिला टीम: फातिमा सना शेख (कप्तान), आयशा जफर, अयमान फातिमा, इरम जावेद, मुनीबा अली सिद्दीकी, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जबीन, डायना बेग, गुल फिरोजा, नशरा संधू, रामीन शमीम, सादिया इकबाल, तस्मिया रुबाब, तूबा हसन।

कनाडा ने टाली हार, 1-1 से ड्रॉ

मेजबान अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से पीटा

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पहले दिन मेजबान मैक्सिको ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत से आगाज किया था। फिर दूसरे दिन संयुक्त मेजबान कनाडा को जीत नहीं मिल पाई लेकिन उसने बोस्निया हर्जेगोविना के खिलाफ हार को जरूर टाल दिया। मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। जबकि दूसरे दिन के दूसरे मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने पैराग्वे के खिलाफ विजयी आगाज किया और 4-1 से शानदार जीत अपने नाम कर ली।

टोरंटो में कनाडा का मुकाबला हुआ जहां मैच से पहले ओपनिंग सेरेमनी भी हुई। इस सेरेमनी में नोरा फतेही ने भी परफॉर्म किया। जबकि दूसरा मुकाबला लॉस एंजलेस के सोफी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच से पहले भी ओपनिंग सेरेमनी आयोजित हुई। इसमें कैटी पेरी का जलवा देखने को मिला। इससे पहले ओपनिंड डे पर मेक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में शकीरा समेत अन्य स्टार्स ने कमाल दिखाया था।

कनाडा बनाम बोस्निया हर्जेगोविना मैच में पहला अंक मिला- कनाडा को फुटबॉल के महासंग्राम फीफा वर्ल्ड कप में पहला अंक मिला है। टीम ने टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार छह हार का सिलसिला तोड़ा है। बोस्निया की टीम ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा दिखाना शुरू कर दिया था। अमार मेमिक और जोवो लुकिक ने शुरुआती प्रहार किए।

अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सह-मेजबान अमेरिका ने टूर्नामेंट का आगाज धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में अमेरिका ने पराग्वे को 4-1 से शिकस्त दी। अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। अमेरिका की टीम पूरे मैच में हावी नजर आई और पराग्वे को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। अमेरिका के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही। मुकाबले के सातवें मिनट में ही अमेरिका ने 1-0 की बढ़त बना बना ली। डेमियन बोबाडिला ने पराग्वे के डिफेंस को भेदते हुए बेहतरीन गोल दागा।

मैच के 31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने अमेरिका की बढ़त को दोगुना कर दिया। फोलारिन की शानदार स्किल्स के सामने पराग्वे का डिफेंस पूरी तरह से बेबस दिखाई दिया।

पहले हाफ के इंजरी टाइम में फोलारिन का एक बार फिर दमदार खेल देखने को मिला और उन्होंने अमेरिका को मुकाबले में 3-0 से आगे कर दिया। पहले हाफ में ही अमेरिका की जीत लगभग पक्की हो गई।

व्यापार

आरबीआई का बड़ा एक्शन

मोगावीरा सहकारी बैंक से अब सिर्फ 1 लाख ही निकाल सकेंगे ग्राहक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई के मोगावीरा सहकारी बैंक की खराब होती वित्तीय स्थिति को देखते हुए उस पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। बैंक के ग्राहकों और कामकाज को लेकर रिजर्व बैंक ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद से लागू हो गया है और फिलहाल 6 महीने की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। हालांकि, आरबीआई समय-समय पर इसकी समीक्षा करता रहेगा।

पैसे निकालने की सीमा तय: बैंक की मौजूदा नकदी की स्थिति को देखते हुए आरबीआई ने बैंक अकाउंट से पैसे निकालने की लिमिट तय कर दी है। रिजर्व बैंक ने निर्देश दिया है कि अब कोई भी जमाकर्ता अपने बचत खाते, चालू खाते या किसी भी अन्य खाते से अधिकतम 1 लाख रुपये तक ही निकाल सकेगा। बैंक अब किसी भी नए ग्राहक को लोन या उधार मंजूर नहीं कर सकेगा।क

बैंक अपने मौजूदा लोन का रिन्यूअल भी नहीं कर पाएगा। बैंक किसी भी तरह का नया निवेश नहीं कर सकेगा, न ही कोई नई देनदारी ले सकेगा। इसके अलावा नए डिपॉजिट (जमा) स्वीकार करने पर भी रोक लगा दी गई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और सीनियर मैनेजमेंट के संपर्क में था।

बैंक के इन कामों पर लगी पूरी तरह रोक

आरबीआई के नए निर्देशों के मुताबिक अब यह सहकारी बैंक अगले 6 महीनों तक कई काम नहीं कर पाएगा। आरबीआई ने बैंक के जिन कामों पर रोक लगाई है, वे इस प्रकार हैं। आरबीआई के मुताबिक, बैंक ने कमियों को दूर करने और खाताधारकों के पैसों की रक्षा करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए अंतत: आरबीआई को यह सख्त कदम उठाना पड़ा।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर! मेडिकल, पेंशन, प्रमोशन और सैलरी पर आया अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की उम्मीदें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसी बीच जम्मू-कश्मीर जनरल लाइन टीचर्स फोरम ने आयोग के समक्ष एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए शिक्षकों और कर्मचारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया है। संगठन ने वेतन विसंगतियों को दूर करने, पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने, मेडिकल भत्ते और बच्चों की शिक्षा भत्ते में बढ़ोतरी जैसी कई मांगें रखी हैं। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। शिक्षकों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में महंगाई लगातार बढ़ी है, लेकिन कर्मचारियों की आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ सकी है। ऐसे में 8वें वेतन आयोग को ऐसा फिटमेंट फैक्टर तय करना चाहिए, जो कर्मचारियों की वास्तविक जरूरतों और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखे। फोरम ने सुझाव दिया है कि फिटमेंट फैक्टर 2.0 से अधिक होना चाहिए, ताकि कर्मचारियों की क्रय शक्ति बढ़े और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। सबसे प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना की बहाली को लेकर की गई है। संगठन का कहना है कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के भविष्य को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। इसलिए या तो फिर से लागू किया जाए या फिर ऐसी गारंटीड पेंशन व्यवस्था लाई जाए, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। फोरम ने साल 2009 के जनरल लाइन शिक्षकों से जुड़ी वेतन विसंगतियों का मुद्दा भी उठाया है। उनका कहना है कि कई मामलों में वरिष्ठ शिक्षकों का वेतन उनके जूनियर कर्मचारियों से कम हो गया है, जो सर्विस नियमों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

30 साल तक दूसरों का काम किया

नईदिल्ली, एजेंसी। जीवन में कुछ करने की तम्मना हो तो उम्र आड़े नहीं आती। अब ईएसई एनर्जी के प्रोमोटर तथा एमडी एंड सीईओ अनिल कुमार चौरसिया को ही देखिए। उन्होंने जीवन में 30 साल तक देश के कई चीनी मिलों में विभिन्न पदों पर काम किया। जब उन्होंने अपनी फैक्ट्री डालने का मन बनाया तब वह सिंभावली शुगर मिल में प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत थे। लेकिन पत्नी की प्रेरणा से इस प्रतिष्ठित पद को छोड़ कर अपना काम करने की ठानी। और कहानी बन गए। अनिल का जन्म बिहार में वैशाली जिले के 'छोटी युसूफपुर' गांव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक पढ़ाई-लिखाई गांव के ही प्राथमिक स्कूल से हुई। उनके गांव में हाई स्कूल नहीं था तो दूसरे गांव के स्कूल में नाम लिखाए और 1983 में मैट्रिक या 10वीं की परीक्षा पास की। उन्हें कोई यह बताने वाला नहीं था कि आगे क्या पढ़ाई करनी है। किसी ने कहा गवर्नमेंट पोलिटेक्निक से डिप्लोमा कर लो तो 'ओवरसियर' की नौकरी मिल जाएगी। पढ़ने में तो वह बचपन से ही तेज थे। बिहार की पोलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा में बैठ गए और पहले ही प्रयास में पास हो गए। इसके बाद पूर्णिया के गवर्नमेंट पोलिटेक्निक से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की पढ़ाई पूरी की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)